राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,१८ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूरी दुनिया में जारी है कोरोना कहर, कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 7.4 करोड़ के पार पहुंची

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दहशत पूरी दुनिया में अब भी कायम है। पूरी दुनिया वैक्सीन का इंतजार कर रही है और इधर कोरोना के मामले भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के टीके के इंतजार के बीच विश्व में इस कोरोना महामारी से अबतक 7.4 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 16 लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, विश्व के 191 देशों में अबतक 74,087,090 लोग कोरोना से संक्रमित हुए है तथा 16 लाख चालीस हजार लोगों की जान जा चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 11 मार्च को कोरोना वायरस को वैश्विक महामारी घोषित किया था। इस महामारी से अमेरिका, भारत और ब्राजील अभी तक से सबसे अधिक प्रभावित देश हैं।

भारत में कोरोना वायरस

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 26,382 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 99.32 लाख के पार चले गए, जिनमें से 94.56 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी किए लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 99,32,547 हो गए हैं। वहीं 387 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,44,096 हो गई। आंकड़ों के अनुसार देश में 94,56,449 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 95.21 प्रतिशत हो गई। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। देश में लगातार 10 दिनों से उपचाराधीन लोगों की संख्या चार लाख से कम है। आंकड़ों के अनुसार अभी 3,32,002 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है,

1964 के बाद AMU के कार्यक्रम में शामिल होने वाले पहले पीएम होंगे मोदी

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के 100 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेंगे। संस्थान की ओर से जारी बयान के मुताबिक 22 दिसंबर को इस समारोह में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' भी भाग लेंगे।

AMU के कुलपति, प्रोफेसर तारिक मंसूर ने कहा कि एएमयू समुदाय विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री का आभारी है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय का और अधिक विकास होगा, जिससे छात्रों को निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में नियुक्ति में मदद मिलेगी। प्रोफेसर मंसूर ने विश्वविद्यालय के समुदाय, कर्मचारियों, सदस्यों, छात्रों और पूर्व छात्रों से आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह में अभी लोग राजनीति से ऊपर उठकर शामिल हों। टीओआई की खबर के मुताबिक, आखिरी बार साल 1964 में किसी पीएम ने यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जब लाल बहादुर शास्त्री ने दीक्षांत समारोह में भाषण दिया था।

एएमयू समुदाय विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री का आभारी है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय का और अधिक विकास होगा, जिससे छात्रों को निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में नियुक्ति में मदद मिलेगी। प्रोफेसर मंसूर ने विश्वविद्यालय के समुदाय, कर्मचारियों, सदस्यों, छात्रों और पूर्व छात्रों से आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

इस महीने की शुरुआत में विश्वविद्यालय ने घोषणा की थी कि शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि हो सकते हैं। विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, मुख्य अतिथि में बदलाव अंतिम समय में किया गया है।

मुहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज एक दिसंबर 1920 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना और उसी साल 17 दिसंबर को विश्वविद्यालय के रूप में इसका औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया।

चुनाव से पहले ममता के खिलाफ 'मायाजाल' बुन रहे शुभेंदु अधिकारी?

TMC के नाराज नेताओं संग कर रहे गुटबंदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव से ठीक पहले ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता शुभेंदु अधिकारी ने न सिर्फ मंत्री और विधायक पद से इस्तीफा दिया है, बल्कि मुख्यमंत्री ममता के खिलाफ मोर्चाबंदी भी शुरू कर दी है। शुभेंदु अधिकारी ममता बनर्जी की टीएमसी से जितने भी नेता नाराज चल रहे हैं, सबको एक एकजुट करने की कवायद में जुट गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता शुभेंदु अधिकारी ने विधायक पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटे बाद बुधवार को सांसद सुनील मंडल और आसनसोल नगर निगम के प्रमुख जितेंद्र तिवारी समेत पार्टी के असंतुष्ट नेताओं के साथ मुलाकात की। बंद कमरे में हो रही बैठक शाम सात बजे शुरू हुई और देर रात तक जारी रही। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बर्द्धमान जिले में कांकसा में मंडल के आवास पर उनसे मिलने गए थे। सूत्रों ने बताया कि बर्द्धमान पूर्व लोकसभा क्षेत्र के दो बार के सांसद मंडल ने अधिकारी का स्वागत किया और उन्हें भीतर ले गए। हालांकि, बंद कमरे में नाराज टीएमसी नेताओं के बीच क्या बातें हुईं, अभी तक यह बाहर नहीं आ पाया है। वह सुबह में अधिकारी के समर्थन में सामने आए थे और शिकायतों को दूर नहीं करने के लिए पार्टी पर दोष मढ़ा था। बता दें कि दिन में ही विधायक पद से इस्तीफा देकर शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को बड़ा झटका दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेंदु अधिकारी जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकते हैं। मंत्री पद और विधायकी से इस्तीफा देने के बाद अब माना जा रहा है कि शुभेंदु अधिकारी जल्द ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ देंगे। ऐसी अटकलें हैं कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के

वह कम से कम तीन जिलों में रैलियों को संबोधित करेंगे, जिनमें पूर्वी मिदनापुर भी शामिल है, जहां अधिकारी, उनके पिता और दो भाई दो लोकसभा क्षेत्रों और एक विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दौरान 19 दिसंबर को शुभेंदु बीजेपी में शामिल होंगे। बुधवार को दोपहर बाद विधानसभा पहुंचे अधिकारी ने हाथ से लिखा हुआ त्याग पत्र सचिवालय को सौंपा। स्पीकर बिमन बनर्जी दफ्तर में मौजूद नहीं थे। कभी ममता बनर्जी के बेहद खास रहे और नंदीग्राम में टीएमसी का उदय कराने वाले शुभेंदु अधिकारी का करीब 50 विधानसभा सीटों पर अच्छा प्रभाव माना जाता है। टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं ने निजी रूप से बताया कि अधिकारी ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से नाखुश हैं, जिन्हें 2019 चुनाव में बीजेपी को मिली बड़ी सफलता के बाद उतारा गया। अमित शाह 19 और 20 दिसंबर को बंगाल में रहेंगे।

नए साल में पार्टी का नया अध्यक्ष चुन सकती है कांग्रेस, पांच राज्यों में होने हैं विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अपने अध्यक्ष पद के चुनाव को अमलीजामा पहना सकती है। वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता वाले केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली है। कांग्रेस कार्यसमिति के चुनाव कार्यक्रम पर मुहर लगाने के साथ पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का जिम्मा संभालने वाले पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के एक सदस्य ने कहा कि सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। चुनाव प्राधिकरण के सदस्यों के बीच दो दिन पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए बैठक हुई थी। उनके मुताबिक, इस बैठक में तय किया गया कि मतदाताओं को डिजिटल कार्ड जारी किए जाएंगे। चुनाव कार्यक्रम को भी जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। पार्टी के एक

वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव प्राधिकरण की तरफ से लगभग सभी तैयारियां हो चुकी है। प्राधिकरण के अध्यक्ष के तौर पर मधुसूदन मिस्त्री जल्द संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर सीडब्लूसी की बैठक बुलाने पर चर्चा करेंगे। सीडब्लूसी में चर्चा के बाद चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रुप देते हुए प्रक्रिया को शुरु कर दिया जाएगा। उनके मुताबिक, पार्टी जनवरी के अंत तक अपना नया अध्यक्ष चुन लेगी। ताकि, फरवरी में एआईसीसी सत्र बुलाया जा सका।

बिहार में तेजी से बदला मौसम, आंशिक बूंदाबांदी के बाद तापमान गिरा और बढ़ी ठंड

पटना। बिहार के मौसम में पिछले 24 घंटे में तेजी से बदलाव हुआ है। पटना सहित राज्य के दक्षिण पश्चिमी भाग में आंशिक बूंदाबांदी की वजह से दिन के तापमान में काफी कमी आई है। अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आने के आसार हैं। मौसमविदों का कहना है कि गुरुवार को भी मौसम के इसी तरह बने रहने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में पटना का अधिकतम तापमान तीन डिग्री तक नीचे आ गया। पटना सहित सूबे के अधिकतर भाग में बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे और धूप की तल्खी नहीं दिखी। राजधानी सहित कई जिलों में एक दो मिनट के लिए बूंदाबांदी हुई, जिसके बाद ठंड का सितम देखने को मिला। मौसमविदों का कहना है कि मध्य प्रदेश के मध्य भाग में चक्रवाती परिसंचरण कमजोर पड़ गया है। फिर भी इसके प्रभाव से अगले 24 घंटे में बिहार के कई भाग में बादल छाए रहेंगे। दिन का पारा सामान्य से नीचे बना रहेगा, जिससे दिन में भी ठंड की स्थिति रहेगी। बादलों के छंटने पर एक दो दिनों में घने कोहरे की स्थिति बन सकती है। कोहरा का प्रभाव कम होते ही हाड़ कंपाने वाली ठंड की स्थिति आ सकती है।

कई जिलों में सूरज के दर्शन भी नहीं हुए

पिछले 24 घंटे में पटना का अधिकतम तापमान तीन डिग्री तक नीचे आ गया। कई जिलों में सूरज के दर्शन भी नहीं हुए और लोग धूप का इंतजार करते रजाई के सहारे दिन काटते रहे। पटना, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, सारण, रोहतास, सीवान और चंपारण के इलाक में भी दिनभर बादल छाए रहे। घरों में गीजर और ब्लोअर के सहारे ठंड कटती रही। वहीं ग्रामीण इलाकों में पुआल जलाकर ठंड से बचने की जुगत में लोग लगे रहे। शाम ढलते ही ठंडी हवा बहने की वजह से लोग ठंड से कांपते दिखे।

पूर्णिया का अधिकतम पारा सामान्य से पांच डिग्री नीचे

बादलों के छाए रहने की वजह से जहां सूबे में दिन का पारा काफी नीचे आया है वहीं रात के तापमान में कोई खास कमी नहीं देखी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार बुधवार को पूर्णिया का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री नीचे 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में लगभग तीन डिग्री की कमी आई है और यह 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गया का अधिकतम पारा 21 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। भागलपुर में अधिकतम पारा 25.6 डिग्री डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

पटना के सात विमान देर से पहुंचे समय पर पहुंचा पहला विमान

ठंड में बढ़ोतरी के बावजूद विजिबिलिटी की स्थिति में पिछले दो तीन दिनों में तेजी से सुधार हुआ है। कई दिनों बाद पटना एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट बुधवार को समय से आई। स्पाइस जेट की अहमदाबाद से पटना आने वाली फ्लाइट एसजी 8719 सुबह 7.45 बजे पटना में लैंड कर सकी। बीते एक पखवारे में एक दो मौके ही ऐसे रहे, जब यह विमान पटना में दिन के दस बजे के पहले लैंड कर सका था। विमानों की चाल सुधरने से यात्रियों को काफी राहत मिली है। बुधवार को सात विमान देरी से उड़े और उतरे।

अटारी बॉर्डर पर BSF ने दो आतंकियों को किया ढेर, हथियार बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के पास अटारी बॉर्डर पर एक बार फिर से आतंकी घुसपैठ की कोशिशों को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल ने अटारी बॉर्डर के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को मार गिराया है। यह घटना तड़के गुरुवार की है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, उनके पास से हथियार बरामद किए गए हैं। फिलहाल, सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ये दोनों घुसपैठिए पाकिस्तानी हैं। यह घटना तड़के 2.30 बजे की है। पूरे इलाके में घना कोहरा की वजह से सर्च ऑपरेशन में सेना को परेशानी हो रही है।

सीमा पर तनाव के बीच मोदी सरकार का बड़ा फैसला, चीनी बॉर्डर से जोड़ने वाले सभी राजमार्ग 10 मीटर चौड़े होंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीन बॉर्डर से जोड़ने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों की चौड़ाई कम से कम 10 मीटर करने का फैसला लिया है। बॉर्डर तक पहुंचाने वाले सभी दो लेन वाले राष्ट्रीय रामजार्गों (फीडर रोड) को भी 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से जम्मू, कश्मीर, लेह-लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्कम सहित दूसरे पहाड़ी क्षेत्रों की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। वर्तमान में बॉर्डर तक पहुंचने वाले दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 5.5 मीटर चौड़े बनाए जा रहे हैं। सड़क परिवहन

व राजमार्ग मंत्रालय ने पर्वतीय क्षेत्रों विशेषकर चीन बॉर्डर के दो लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की चौड़ाई के मानक बदल दिए हैं। इसके साथ ही सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), एनएचएआई, एनएचएआईडीसी, पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियरों व राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र भी जारी कर दिया है।मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों की चौड़ाई यातायात के दबाव के अनुसार तय की जाती है। वाहनों की संख्या कम होने पर दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग की चौड़ाई 5.5 मीटर चौड़ी कर दी जाती है। इस बाबत मार्च 2018 में नए मानक संबंधी आदेश जारी कर दिए गए थे लेकिन रक्षा मंत्रालय ने इस पर एतराज जताया है। उसका कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र में कम चौड़ी सड़कों पर भारी सैन्य वाहनों, रसद सामग्री वाले वाहन व टैंक के चलाने में दिक्कत है। तीव्र मोड़ पर उक्त वाहनों को बहुत धीमी गति पर चलाना पड़ता है। इसलिए पहाड़ी क्षेत्रों विशेषकर चीन बॉर्डर तक पहुंचने वाले फीडर राजमार्गों की चौड़ाई अधिक होनी चाहिए।

सड़क के दोनों ओर 1.5-1.5 मीटर के पेश शोल्डर- अधिकारी ने बताया कि रक्षा मंत्रालय के सुझाव के बाद दो लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की चौड़ाई 10 मीटर कर दी गई है। इसमें सात मीटर चौड़ी सड़क व सड़क के दोनों ओर 1.5-1.5 मीटर के पेश शोल्डर बनाए जाएंगे। राजमार्ग में पेश शोल्डर साइकिल, बाइक, रिक्शा आदि के लिए बनाए जाते हैं।

भारत बायोटेक की वैक्सीन के पहले चरण का ट्रायल सफल, जानें मरीजों पर कैसा हुआ असर

नई दिल्ली। भारत बायोटेक द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित कोविड-19 कोवाक्सिन (कोवैक्सीन) के पहले चरण के नैदानिक परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) के अंतरिम निष्कर्षों से पता चला कि इसकी सभी खुराकों को परीक्षण होने वाले समूहों ने अच्छी तरह से सहन किया। इसमें कोई गंभीर या प्रतिकूल प्रभाव सामने नहीं आया। एक प्रीप्रिंट सर्वर मेड्रैक्सिव पर आए निष्कर्षों के अनुसार, कोविड-19 से स्वस्थ हुए मरीजों से एकत्रित किए गए लार पर टीके ने मजबूत असर दिखाया और एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को बेअसर किया।

प्रीप्रिंट सार्वजनिक सर्वर पर जारी एक ऐसा वैज्ञानिक पांडुलिपि का संस्करण है जो परीक्षण से पहले समीक्षा में जाता है। निष्कर्षों से पता चला है कि इसमें केवल एक गंभीर प्रतिकूल घटना की सूचना आई थी हालांकि बाद में इस टीके से उसका संबंध नहीं पाया गया। यह कोवाक्सिन अथवा कोवैक्सीन (बीबीवी152) की सुरक्षा और प्रतिरक्षण क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड रैंडम नियंत्रित पहले चरण का नैदानिक परीक्षण था। दस्तावेज़ में उल्लेख किया गया है कि बीबीवी152 को 2 डिग्री सेल्सियस और 8 डिग्री सेल्सियस के बीच संग्रहीत किया जाता है, जो सभी राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम कोल्ड चेन की आवश्यकताओं के अनुरूप है और इससे आगे प्रभावी परीक्षण होते हैं।

सार्स-कोव-2 वैक्सीन बीबीवी 152 की एक निष्क्रिय सुरक्षा और प्रतिरक्षण परीक्षण के पहले चरण के अनुसार- टीकाकरण के बाद स्थानीय और प्रणालीगत प्रतिकूल घटनाओं को गंभीरता से हल्के या मध्यम रूप से हल किया गया था और किसी भी निर्धारित दवा के बिना तेजी से हल किया गया। दूसरे खुराक के बाद भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई। इंजेक्शन स्थल पर दर्द आम तौर पर होने वाले दर्दे के जैसा ही था।

परीक्षण कके निष्कर्षों के अनुसार, जो एक प्रतिकूल प्रभाव देखा गया वह यह था कि प्रतिभागी को 30 जुलाई को टीका लगाया गया था। पांच दिन बाद, प्रतिभागी ने कोविड -19 के लक्षणों की सूचना दी और मरीज को सार्स-कोव--2 का पॉजिटिव पाया गया।

कोवैक्सीन के परीक्षण में 70 से 80 प्रतिशत भागीदारी घटी-एम्स डॉक्टर

भारत में स्वदेशी रूप से विकसित भारत बायोटेक के कोविड वैक्सीन के तीसरे चरण के टीकाकरण की शुरुआत में ही इसमें हिस्सा लेने वाले वॉलेंटियरों की संख्या में 70 से 80 प्रतिशत की कमी देखी जा रही है। एम्स के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बुधवार को कहा कि ÷जब नैदानिक परीक्षण शुरू हुआ, तो हम 100 स्वयंसेवक चाहते थे और 4500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। दूसरे चरण में, हम 50 चाहते थे और 4000 आवेदन प्राप्त किए। तीसरे चरण में, अब जब 1500-2000 प्रतिभागी चाहते थे, हम केवल 200 प्रतिभागियों के आवेदन मिले हैं। एम्स में सामुदायिक चिकित्सा के प्रोफेसर डॉ. संजय राय ने बताया कि अब ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग सोच रहे हैं कि जब एक वैक्सीन जल्द ही सभी के लिए आ रहा है तो स्वयंसेवक पर परीक्षण की क्या जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सर्वोच्च अदालत में सुनवाई

किसानों के आंदोलन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचना जितना जरूरी था, उतना ही स्वाभाविक भी है। वैसे तो किसानों के आंदोलन को लगभग तीन महीने पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन जब आंदोलन पंजाब में था, तब ज्यादा चिंता नहीं थी। अब विगत तीन सप्ताह से दिल्ली घेरने का आंदोलन ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जब सुप्रीम कोर्ट में गुहार और सुनवाई जरूरी हो गई है। छह दौर की औपचारिक और अनेक दौर की अनौपचारिक वार्ताओं के बावजूद सरकार व किसान संगठन परस्पर सहमत तो दूर, आश्वस्त भी नहीं हो पा रहे हैं। उनमें परस्पर विश्वास की कमी देश और दुनिया के सामने स्पष्ट हो गई है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई के लिए आगे आना समय की मांग है। न्यायपालिका में लोगों का विश्वास अभी भी बरकरार है। किसी भी जटिल समस्या के समय अदालती हस्तक्षेप की परंपरा गलत भी नहीं है, जहां राजनीति से परे, संविधान की रोशनी में न्यायाधीश शांत मन से किसी फैसले या निर्देश पर विचार करते हैं। बड़े-बड़े विवादित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में सुलझते और लोगों द्वारा स्वीकार करते देखा गया है। ऐसे में, किसान आंदोलन के समाधान की उम्मीद का बढ़ना वाजिब है। सुप्रीम कोर्ट को इस पूरे मामले पर विचार करने में समय लगेगा, लेकिन पहले दिन ही कोर्ट ने दो बातों को स्पष्ट कर दिया। पहली, सरकार और किसानों को समिति बनाकर बातचीत करनी चाहिए। दूसरी, समस्या को सहमति से सुलझाना चाहिए। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने किसान संगठनों के साथ-साथ केंद्र सरकार, हरियाणा और पंजाब सरकार को नोटिस भेजा है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिकाओं में धरने पर बैठे किसान आंदोलनकारियों को सड़क से हटाने की अपील की गई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने भी दलीलें पेश कीं और सरकार ने भी अपना पक्ष रखा, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसानों के पक्ष को भी सुनना चाहते हैं। अत- किसान संघों को नोटिस जारी किया गया है और अब उन्हें अपना जवाब दाखिल करना है। मामला केवल किसान आंदोलन या कृषि कानूनों के विरोध का नहीं है, बल्कि दिल्ली के घेराव का भी है। यह बात सरकार ने स्वीकार की है कि दिल्ली पुलिस ने ही रास्ते जाम किए हैं। जाहिर है, दिल्ली पुलिस की कोशिश है, राष्ट्रीय राजधानी में किसी तरह की अव्यवस्था की स्थिति न बने। संभव है, सुनवाई में यह बात भी सामने आएगी कि केंद्र सरकार ने किसानों को प्रदर्शन के लिए मैदान मुहैया तो कराया था, लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं हुए। दिल्ली को विरोध प्रदर्शन से बचाने के लिए किसानों को सीमा पर ही रोकने की मजबूरी पैदा हुई और सीमाओं पर समस्या बढ़ी। आश्चर्य नहीं, अदालत में शाहीन बाग मामले के फैसले का भी हवाला दिया गया, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि सड़कें जाम नहीं की जानी चाहिए। अब स्थिति यह है कि खुद सरकार को ही मजबूरी में सड़कों को जाम करना पड़ा, ताकि किसानों को दिल्ली में घुसने से रोका जा सके। अदालत ने दोनों मामलों में तुलना के खिलाफ रुख दिखाया है, तो यह सही भी है। लोगों की निगाह अब सुप्रीम कोर्ट पर है। राजनीतिक रूप ले चुके इस मामले में अदालती फैसला आसान नहीं है। फिर भी, तमाम पक्षों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत से एक सर्वमान्य व्यवस्था या फैसले की अपेक्षा देश करता है।

आज के ट्वीट

सलाम

मैं किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं जो इस ठंड के मौसम में पिछले 21 दिनों से डटकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उम्मीद करता हूं कि अब सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद कोई समाधान निकलेगा और किसान अपने घर वापस जा सकेंगे।

-- मु. अशोक गहलोत

म्यांमार में चीनी दखल भारत के लिए चुनौती

मेजर जन. अशोक के. मेहता (अ.प्रा.)

म्यांमार, जो भारत की 'पूरब से नाता जोड़ो' नीति क्रियान्वन में पहला पड़ाव है और जिसके साथ हमारी सामरिक महत्व की सीमा साझा है, वहां पिछले माह तीसरा आम चुनाव संपन्न हुआ, जिस पर भारत का खासा ध्यान रहा है। यह चुनाव वर्ष 2008 में सेना द्वारा थोपे गए संविधान के तहत हुए हैं, इसे देश में पूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था की वापसी का मानचित्र बताया जाता है। आंग सान सू-की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने एंटी-इनकम्बेंसी के बावजूद भारी बहुमत से जीत प्राप्त की। हालांकि, पिछले कार्यकाल में देश की आर्थिक कारगुजारी दोयम रहना, रोहिंग्या समस्या, सशस्त्र जातीय विद्रोहियों के साथ शांति वार्ताएं विफल रहना, राष्ट्रवादी बौद्ध भावना का उद्भव और कोविड महामारी जैसी समस्याएं मुंह बाए खड़ी रहीं। म्यांमार की सिविल-मिलिटरी शक्ति बंटवारा वाली शासन प्रणाली विलक्षण है, जिसमें वरिष्ठ जनरल का फैसला अंतिम होता है किंतु सत्ता में दो शक्ति केंद्रों में आपसी टकराव से निर्णय लेने में जटिलताएं खड़ी हो जाती हैं। राष्ट्रीय रक्षा एवं सुरक्षा परिषद (एनडीएससी) सेना के तीनों अंगों और पुलिस पर नियंत्रण रखने को बनी सर्वोच्च संस्था है। सेना खुद को देश का संरक्षक बताते हुए अंदरूनी राजनीति में दखलंदाजी को जायज ठहराती है ताकि संविधान बचा रह सके। इस व्यवस्था के तहत केंद्र, प्रांतों और स्थानीय निकायों में 25 फीसदी सीटें सैन्य अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं। संवैधानिक बदलाव के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत का प्रावधान है, जो इस स्थिति में असंभव भले ही न हो लेकिन मुश्किल बहुत है। अंदरूनी सुरक्षा और सीमा संबंधी विषय के मंत्रालय सैन्य पंचाट के लिए आरक्षित हैं। एक तरह से राजनीति, सुरक्षा, आर्थिकी, पैसा और बौद्ध भिक्षुओं पर सेना का नियंत्रण है। एनएलडी और सेना के बीच रिश्ते बिगड़ते जा रहे हैं, हालांकि, सू-की को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या मुसलमानों पर कथित अत्याचारों के लिए अपनी सेना का बचाव करना पड़ा है, जिससे उनकी निजी अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार छवि को धब्बा लगा है, लेकिन देश के अंदर साख बढ़ी है। सू-की उम्रदराज राजनीतिज्ञों की अगुवाई वाली पार्टी की चतुर मुखिया हैं, जिसमें दूसरे स्तर का नेतृत्व नदारद है। एनएलडी देश पर सेना की पकड़ को ढीली कर पाने में विफल रही है। वर्ष 2017 में रोहिंग्या मुसलमानों पर सेना की कार्रवाई के नतीजे में 'राखिने रोहिंग्या सालवेशन आर्मी' नामक नए राष्ट्र विरोधी सशस्त्र विद्रोही गुट का उद्भव हुआ है। साल 2021 में सेना के मौजूदा सर्वेसर्वा वरिष्ठ जनरल मिन औंग ह्लैंग का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा जो लगभग 10 साल का है, किंतु उन्होंने साफ कर दिया है कि वे किसी अन्य नागरिक या सैन्य पद पर बने रहेंगे। वे सू-की के विपक्षियों से सांठ-गांठ करते रहे हैं और उप-राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। अगर ऐसा हुआ तो यह पहली मर्तबा होगा कि पूर्व कमांडर-इन-चीफ किसी ऐसे सरकारी पद पर विराजमान होगा, जो देश के सत्ता वरिष्ठता क्रम में पांचवें स्थान पर माना जाता है। चीन के साथ म्यांमार की 2100 कि.मी. लंबी सीमारेखा साझी है। चीन म्यांमार के मामलों में 'बड़े भाई' वाली धौंस रखता आया है और अंदरूनी मामलों जैसे कि राजनीति, विकास एवं आर्थिकी, जातीय गुटों से शांति वार्ता में दखल करने के अलावा एनएलडी एवं सेना के साथ घनिष्ठता बनाए हुए है। हालांकि, यह दोनों पक्ष चीन की दखलंदाजी के बढ़ते दायरे से खुश नहीं हैं। चीन की 'वन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) नामक महत्वाकांक्षी परियोजना, जिसके तहत 1700 कि.मी. लंबा चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (सीएमईसी) उलीका गया है, इस हेतु बनने वाली कुल 38 परियोजनाओं में 9 को म्यांमार ने हरी झंडी दे दी है। इसके अंतर्गत चीन के युन्नान प्रांत को म्यांमार के राखिने प्रांत में सामरिक महत्व के क्याकफ्यू बंदरगाह तक सड़क मार्ग से जोड़ना है। एक समय पर भारत भी यही करना चाहता था ताकि हमारे उत्तरी-पूरबी राज्यों की पहुंच बंगाल की खाड़ी तक बन पाती। हालांकि, युन्नान और म्यांमार का मैंडले शहर पहले ही सड़क मार्ग से जुड़े हुए हैं। कुल 100 खरब डॉलर लागत वाली सीएमईसी परियोजना, जिसके अंतर्गत 80 लाख डॉलर से एक नया येन्गोन शहर भी बनना है, इसकी उपयोगिता दीर्घकाल में पाकिस्तान के साथ बनने वाले आर्थिक गलियारे को पछाड़ देगी। म्यांमार पहले से ही चीन के भारी कर्ज तले दबा है। देश में होने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का 70 प्रतिशत केवल ऊर्जा क्षेत्र में लगा हुआ है। म्यांमार पर कुल 5-10 खरब डॉलर कर्ज में लगभग 40 फीसदी ऋण अकेले चीन का दिया है। हाल ही में पहली बार दोनों देशों में शिखर वार्ता के जरिए बृहद सामरिक पारस्परिक संधि हुई है। इसके बावजूद म्यांमार में चीन को लेकर अविश्वास की भावना में इजाफा हुआ है, जिसके चिढ़कर चीन ने म्यांमार विरोधी विद्रोही गुटों को हथियार मुहैया करवाए हैं, इसमें राखिने एवं चिन प्रांत से संबंधित अराकान आर्मी नामक ताकतवर गुट भी शामिल है। वरिष्ठ जनरल थान श्वे चीन की सहायता को देश के लिए जरूरी किंतु परेशान करने वाली मानते थे, इसलिए वर्ष 2011 में उन्होंने चीन पर निर्भरता कम करने की खातिर भारत की ओर रुख किया था। दो माह पहले, अक्तूबर में, भारत ने विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला की अगुवाई में पहली बार संयुक्त सिविल-मिलिटरी प्रतिनिधिमंडल म्यांमार भेजा था, इसमें सेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे भी शामिल थे। यह एक तरह से म्यांमार में सेना-सिविल संयुक्त शक्ति साझेदारी को मान्यता देने का महीन संकेत है। म्यांमार के रास्ते दक्षिण एशियाई पूरबी देशों तक संपर्क मार्ग बनाना भारत की 'पूरब से नाता जोड़ो' नीति का एक मुख्य केंद्र बिंदु है, लेकिन दोनों देशों के सशस्त्र विद्रोहियों की गतिविधियों और धीमी निर्णय गति से यह अधर में लटका हुआ है। भारत-म्यांमार-थाईलैंड राजमार्ग कछुए की चाल से आगे बढ़ रहा है और इसके लिए मिजोरम से होकर लूप लाइन बनाने की जरूरत पड़ेगी ताकि नागालैंड और मणिपुर के विद्रोहियों से दूर रहा जा सके। बहु-स्तरीय कालादान परियोजना, जिसके तहत म्यांमार के सित्वे बंदरगाह को मिजोरम से जोड़ना है और जो राखिने और चिन सूबों से गुजरेगी, उसका काम अराकान आर्मी के हमलों की वजह से रुका पड़ा है, इसके पीछे चीन की शह बताई जा रही है जो सित्वे समेते कुछ परियोजनाएं अपने हाथ से निकलने की वजह से तिलमिलाया हुआ है। इस साल अप्रैल माह में इम्फाल और मैंडले की बीच बस सर्विस शुरू की गई है। भारत ने म्यांमार की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु तेल परिशोधन कारखाने में 60 लाख डॉलर का निवेश करने की पेशकश की है। हालांकि, वहां भारत के सहयोग से 140 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। परंतु भारत द्वारा दी जाने वाली 1.4 खरब डॉलर की सहायता चीन के 3.5 खरब डॉलर के मुकाबले कहीं नहीं ठहरती। हालांकि, चीन की मदद ज्यादातर सूद वाले ऋण के रूप में है। कालांतर में भारत म्यांमार को दिए गए कर्ज में कुल मिलाकर 10 खरब डॉलर की छूट दे चुका है। निःसंदेह म्यांमार की सेना के पास सैन्य उपकरणों का 80 फीसदी चीन निर्मित है। दोनों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग में काफी बढ़ोतरी हुई है। म्यांमार में रह रहे लगभग 20 लाख भारतीय अनिवासी उसके लिए मानव संसाधन सरमाया हैं, आगे लोगों के बीच आपसी मेलजोल और बौद्ध धर्म से संबंधित रिश्तों को बढ़ाना देने की जरूरत है। चीन के साथ होड़ करना हालांकि हमारे लिए मुश्किल है तथापि म्यांमार के शिक्षा और कृषि क्षेत्रों में निवेश करना लाभप्रद होगा। भारत की 'पूरब से नाता जोड़ो' नीति में चीन एक कांटा है, वह भारत के लिए दो मोर्चों पर एक साथ सैन्य मुश्किलें खड़ी करने को 'ढाई मोर्चों में तब्दील' करने की क्षमता भी रखता है। बहरहाल, भारत के लिए रक्षा-कूटनीति बरतना ही सबसे बढ़िया उपाय है।

लेखक रक्षा मामलों के विशेषज्ञ टिप्पणीकार हैं।

ज्ञान गंगा

सभ्यता और संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य,

सभ्यता और संस्कृति इस युग के दो बहु-प्रचलित विषय हैं। आस्थाओं और मान्यताओं को संस्कृति और तदनुरूप व्यवहार, आचरण को सभ्यता की संज्ञा दी जाती है। संस्कृति का अर्थ है-मनुष्य का भीतरी विकास। आदान-प्रदान एक तथ्य है, जिसके सहारे मानवीय प्रगति के चरण आगे बढ़ते-बढ़ते वर्तमान स्थिति तक पहुंचे हैं। एक वर्ग की उपलब्धियों से दूसरे क्षेत्र के लोग परिचित हुए हैं। परस्पर आदान-प्रदान चले हैं। ठीक यही बात धर्म और संस्कृति के संबंध में भी है। एक ने अपने संपर्क क्षेत्र को प्रभावित किया है। एक लहर ने दूसरी को आगे धकेला है। मिल-जुलकर ही मनुष्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ा है। इस समन्वय से धर्म और संस्कृति भी अछूते नहीं रहे हैं। सभ्यताओं का यह समन्वय एवं आदान-प्रदान उचित भी है, और आवश्यक भी। कट्टरता के इस कटघरे में मानवीय विवेक को कैद रखे रहना असंभव है। विवेक दृष्टि जाग्रत होते ही इन कटघरों की दीवारें टूटती हैं, और जो रुचिकर या उपयोगी लगता है, उसका बिना किसी प्रयास या दबाव के आदान-प्रदान चल पड़ता है। इसकी रोकथाम के लिए कट्टरपंथी प्रयास हाथ-पैर पीटते रहे हैं पर कठिन ही रहा है। हवा उन्मुक्त आकाश में बहती है। सर्दी गर्मी का विस्तार व्यापक क्षेत्र में होता है। संप्रदायों और सभ्यताओं में भी यह आदान-प्रदान अपने ढंग से चुपके-चुपके चलता रहा है। धर्म और संस्कृति दोनों ही सार्वभौम हैं, उन्हें सर्वजनीन कहा जा सकता है। भौतिक प्रवृत्तियां लगभग एक सी हैं। एकता व्यापक है और शात। पृथकता सामयिक है और क्षणिक। हम सब एक ही पिता के पुत्र हैं। एक ही धरती पर पैदा हुए हैं। एक ही आकाश के नीचे रहते हैं। एक ही सूर्य से गर्मी पाते हैं, और बादलों के अनुदान से एक ही तरह अपना गुजारा करते हैं, फिर कृत्रिम विभेद से बहुत दिनों तक बहुत दूरी तक किस प्रकार बंधे रह सकते हैं? औचित्य को आधार मानकर परस्पर आदान-प्रदान का द्वार जितना खोलकर रखा जाए, उतना ही स्वच्छ हवा और रोशनी का लाभ मिलेगा। खिड़कियां बंद रखकर हम अपनी विशेषताओं को न तो सुरक्षित रख सकते हैं, और न स्वच्छ हवा और खुली धूप से मिलने वाले लाभों से लाभान्वित हो सकते हैं। संकीर्णता अपनाकर पाया कम और खोया अधिक जाता है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बच्चों की दुनिया में काली छाया

मधुरेन्द्र सिन्हा

कोरोना महामारी ने दुनियाभर के बच्चों और मांओं के जीवन पर बेहद बुरा प्रभाव डाला है और करोड़ों बच्चे इसका दंश शारीरिक और मानसिक रूप से झेल रहे हैं। पौन साल से घरों में बंद ये बच्चे हर तरह की त्रासदी का शिकार हो रहे हैं। जो नसीब वाले हैं उन्हें खाना-पीना आसानी से नसीब हो रहा है और जो बदकिस्मत हैं उन्हें तो दो जून के खाने के भी लाले पड़े हुए हैं। जो बच्चे पहले आसानी से घरों से निकल कर खेलते थे और अपना स्वाभाविक जीवन बिताते थे उनके लिए तो घर कैदखाना बन गए। जिससे वे मानसिक पीड़ा से गुजरने को बाध्य हो गए हैं। उनका बचपन खो रहा है और घरों में कैद करोड़ों बच्चों को पारिवारिक मारपीट तथा अन्य तरह के जुल्म का शिकार भी होना पड़ रहा है। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 45 करोड़ मांएं और बच्चे इस महामारी के कारण भयंकर दरिद्रता का जीवन जी रहे हैं और यह तादाद हर रोज बढ़ती जा रही है। अगले दस सालों तक प्रयास करने के बावजूद इसे पुराने स्तर पर लाना संभव नहीं होगा। हालत यह है कि उन तक राहत पहुंचाना अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की तमाम कोशिशों के बावजूद उनके बस की भी नहीं रह गई है। उनके लिए स्वास्थ्य के तमाम स्त्रोत सूख गए हैं और वे पशुओं की तरह जिंदगी जीने को विवश हो गए हैं। उन्हें किसी भी तरह की मानवीय मदद दे पाना दुष्कर होता जा रहा है क्योंकि कोविड के कारण न केवल तरह-तरह के प्रतिबंध हैं बल्कि मदद करने वाली संस्थाओं के पास न तो उतना धन है और न ही संसाधन। डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ जैसी संस्थाओं के प्रयास तो जारी हैं लेकिन अन्य देशों की सरकारों को भी इसमें आगे आना होगा, लेकिन उनकी समस्या यह है कि उनकी आर्थिक स्थिति खुद भी डांवाडोल है। कई देश तो आर्थिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। उनसे कोई उम्मीद नहीं रखी जा सकती है। इसके समाधान के लिए डब्ल्यूएचओ के झंडे तले दुनियाभर की 1000 संस्थाओं ने साझीदारी की है ताकि नवजात शिशुओं, माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके। उन्होंने 20 अरब डालर की राशि जमा करने का प्रयास शुरू किया है। अकेले भारत ने 2020-21 में दो अरब डॉलर देने का प्रस्ताव दिया है ताकि देश-विदेश में बच्चों और मांओं के स्वास्थ्य के लिए काम किया जा सके। इस 12 दिसंबर से इस पर काम शुरू कर दिया गया है और सारी दुनिया में एक नई कवायद शुरू हो गई है। कोविड का टीका लगना शुरू हो जाने के बाद इसमें तेजी आएगी लेकिन मंजिल दूर है। कोरोना काल में नये जन्मे बच्चों और गर्भवती माताओं को जरूरी टीका लगाना कठिन कार्य है क्योंकि कोविड के प्रतिबंधों के कारण हेल्थ वर्कर्स सभी जगहों पर नहीं जा पा रहे हैं। इसका नतीजा है कि करोड़ों बच्चों को टीका नहीं लग पाया और जिन्हें पिछले साल या इस साल के शुरू में लगा था वह रिपीट नहीं हो पाया, जिससे पहले का असर जाता रहा। अफ्रीका के देशों में तो बच्चों और उनकी मांओं को दो वक्त का खाना भी नहीं मिल पा रहा है, जिससे बच्चों में तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 में लाखों बच्चे और मांएं काल कवलित हो गए क्योंकि उन्हें न तो समय पर भोजन मिला और न ही दवाइयां। अरबों रुपये खर्च कर चलाए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम को इस बीमारी ने जबरदस्त धक्का पहुंचाया है। हालांकि, यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ जैसी संस्थाओं ने पूरी ताकत लगा दी है कि इसे पटरी पर लाया जाए। उन तमाम स्वास्थ्य वर्कर्स को फिर से प्रेरित किया गया है कि वे टीकाकरण का काम करना जारी रखें। इन वर्कर्स ने जोखिम उठाते हुए यह कार्यक्रम जारी रखा है और उम्मीद की जा रही है कि कोरोना के टीके के आ जाने के बाद इसमें राहत मिलेगी। लेकिन तब तक सामान्य टीके जैसे मीजल्स-रूबेला और बीसीजी को लगाना भी एक चुनौती है। पोलियो की खुराक भी पिलाना एक समस्या है और मांओं को हेल्थ सेंटरों पर लाना तो दुरूह कार्य है। लेकिन इसके बावजूद लाखों हेल्थ वर्कर्स, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सरकारी कर्मचारी यूनिसेफ तथा भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक और चुनौती वह यह है कि बच्चों पर इस बीमारी का मानसिक दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। बंद कमरों में रहना, तरह-तरह के दबाव झेलना उनकी नियति बन गई है। ऐसे में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद कठिन है। लेकिन स्वयंसेवी संस्थाओं ने इस पर भी काम करना शुरू कर दिया है। वे बच्चों की संवेदनात्मक जरूरतों को समझकर उनका समाधान करने की कोशिश कर रही हैं। लाखों बच्चों से कोविड के बारे में बातें की जा रही हैं और उन्हें सही बातें बताई जा रही हैं ताकि वे अफवाहों से दूर रहें। इस महामारी से जितने बच्चे और महिलाएं मरीं नहीं, उससे कई गुना तो भुखमरी और पोषण की कमी से मर गए। अभी भी करोड़ों जूझ रहे हैं जिंदगी से। उनके लिए काम करने वाले बहुत कम है क्योंकि मिडल ईस्ट और अफ्रीका के देशों में आंतरिक कलह और युद्ध के हालात हैं। वहां करोड़ों लोगों खासकर बच्चों और महिलाओं की जिंदगी सांसत में है। उम्मीद यही की जा सकती है कि कोरोना की महामारी पर अंकुश लगने के बाद उनकी मदद का नवप्रयास और तेज होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अहमदाबाद विवि में बागची दंपति के नाम से चेयर स्थापित

अहमदाबाद । जानी मानी ओडिया लेखक सुस्मिता बागची और उनके पति और माइंडट्री के सह-संस्थापक सुब्रतो बागची ने अहमदाबाद विश्वविद्यालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य में शोध के लिए एक अनुसंधान पीठ (चेयर) स्थापित किया है। अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की घोषणा की है और इसका नेतृत्व करने के लिए डीन की तलाश की जा रही है। डीन के चेयर को पब्लिक हेल्थ में सुष्मिता और सुब्रतो बागची प्रोफेसरशिप कहा जाएगा। ओडिया और अंग्रेजी में लिखने वाली प्रख्यात लेखिका सुस्मिता बागची को साल 1992 में आकाश जयंती कथा नामक उनके कहानी संग्रह के लिए ओडिशा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह ओडिशा में मो स्कूल कार्यक्रम की अध्यक्षा हैं। सुब्रतो बागची एक सम्मानित उद्योगपति, एक लेखक और एक संस्थान निर्माता हैं। ओडिशा सरकार ने उन्हें ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष भी नियुक्त किया है। अहमदाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति, पंकज चंद्रा ने कहा, यह चेयर प्रोफेसरशिप समस्याओं के समाधान के लिए हमारे परिप्रेक्ष्य का समर्थन करता है और हमारे स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। यह उपहार विश्वविद्यालय को इस समय के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान का मौका देता है। यह हमें सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा और सबूत इकट्ठा करने की अनुमति देगा। हम भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए बागची दंपति के आभारी हैं।

अमेरिका तक बिखरा भारत की हल्दी का रंग, वैश्विक उत्पादन में 80 फीसदी योगदान

नई दिल्ली। भारत की हल्दी का रंग अमेरिका तक बिखर चुका है। अमेरिका की एक कंपनी ने भारत के पूर्वोत्तर प्रांत मेघालय में उगाई जाने वाली हल्दी की खास वेरायटी लकडोंग से न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने के लिए एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के साथ समझौता किया है। इसी सिलसिले में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत राज तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और मेघालय के मुख्यमंत्री कानराड के. संगमा ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में मेघालय की प्रसिद्ध लकडोंग हल्दी को अमेरिका में लांच किया। इस अवसर पर तोमर ने मेघालय के मेहनतकश किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अन्नदाताओं की प्रगति के लिए केंद्र सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। केंद्रीय मंत्री ने मेघालय सहित पूर्वोत्तर राज्यों में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। तोमर ने कृषि प्रधान राज्य मेघालय के मुख्यमंत्री, सभी किसानों व अन्य निवासियों को बधाई देते हुए कहा, आज उनके अपने राज्य की लकडोंग हल्दी की प्रसिद्धि सात समुंदर पार पहुंच गई है। मेघालय के जयन्तिया हिल्स जिले में एक एफपीओ ने लकडोंग की हल्दी से न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने के लिए अमेरिका की एक कंपनी के साथ सहयोग किया है। ऐसे और भी प्रयासों की जरूरत है तथा राज्य में नए एफपीओ भी बनाए जाएं ताकि छोटे व गरीब किसानों को सहायता मिल सके । उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर मेघालय में कृषि व औषधियों के क्षेत्र में प्रचुर संभावनाएं हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मेघालय की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आधारित है और किसान अलग जलवायु में भी श्रेष्ठ किस्म की हल्दी सहित अन्य फसलें उगा रहे रहे हैं। तोमर ने कहा, भारत, हल्दी का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है जो वैश्विक उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। वर्ष 2019-20 के अनुमान के मुताबिक, भारत ने 2.50 लाख हेक्टेयर के अनुमानित क्षेत्र से 9.40 लाख टन हल्दी का उत्पादन किया। भारत, हल्दी का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक भी है और भारतीय हल्दी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रीमियम मूल्य प्राप्त करती है। भारत में उत्पादित हल्दी का लगभग 16 से 17 फीसदी हल्दी पाउडर, करक्यूमिन पाउडर, तेल और ओलेओरिंस सहित निर्यात उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत से हल्दी का निर्यात काफी बढ़ा है।

शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी, फिर नई ऊंचाई पर सेंसेक्स और निफ्टी

देश के शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख संवेदी सूचकांकों ने फिर नई ऊंचाई को छुआ। सेंसेक्स मजबूती के साथ खुलने के बाद आरंभिक कारोबार के दौरान 46,785 तक चढ़ा जो कि अब तक का ऐतिहासिक स्तर है। वहीं निफ्टी भी 13,700 के ऊपर खुला और शुरूआती कारोबार के दौरान 13,721 तक उछला। सुबह 9.57 बजे सेंसक्स बीते सत्र से 118.56 अंकों यानी 0.25 फीसदी की तेजी के साथ 46,785.02 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 36.45 अंकों यानी 0.27 फीसदी की बढ़त बनाकर 13,719.15 पर बना हुआ था। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स मजबूती के साथ 46,774.32 पर खुला और 46,785.02 तक चढ़ा जबकि इसका निचला स्तर 46,627.60 रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक निफ्टी भी बीते सत्र के मुकाबले बढ़त के साथ 13,713.55 पर खुला और 13,720.75 तक उछला जबकि आरंभिक कारोबार के दौरान निफ्टी का निचला स्तर 13,673.55 रहा। जानकार बताते हैं कि विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने से घरेलू शेयर बाजार में मजबूती बनी हुई है।

गोवा में जल्द लाएंगे निवेश को बढ़ावा देने वाला नया कानून : सावंत

पणजी ।

गोवा सरकार **Covid**-19 महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण वर्ष के बाद राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक नया कानून पारित करेगी। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गुरुवार को यह बात कही। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए, सावंत ने यह भी कहा कि राज्य में निवेश की प्रक्रिया के फास्ट-ट्रैक के लिए कानून लाया जा रहा है। उन्होंने कहा, गोवा में आईटी, शिक्षा, फिल्म, मनोरंजन, पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए निवेश प्रोत्साहन अधिनियम पारित किया जाएगा। हम लाइसेंस के विस्तार की प्रक्रिया को आसान बनाने और मौजूदा एक्साइज कानून में संशोधन कर रहे हैं। सावंत ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही एक्साइज लाइसेंस धारकों के लिए वार्षिक पुलिस क्लीयरेंस प्राप्त करने की जरूरत पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, **Covid**-19 की वजह से बहुत सारे लोगों की नौकरी चली गई है और वे अपने जीवन को पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

एप्पल का फेसबुक पर पलटवार, कहा- अपने उपयोगकर्ताओं के लिए हम खड़े हैं

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल ने अपने आगामी आईओएस गोपनीयता शुल्क के मामले में फेसबुक पर पलटवार करते हुए कहा है कि टेक दिग्गज अपने उपयोगकर्ताओं के लिए खड़ा है। फेसबुक द्वारा अखबारों में दिए गए फुल-पेज के विज्ञापनों पर प्रतिक्रिया देते हुए एप्पल ने कहा है कि उपयोगकर्ता को पता होना चाहिए कि कब उनका डेटा इकट्ठा किया जा रहा है। बता दें कि फेसबुक ने इन विज्ञापनों में एप्पल के गोपनीयता नियमों की आलोचना की है। बुधवार को दिए अपने बयान में एप्पल ने कहा है, 'हम मानते हैं कि यह हमारे लिए अपने उपयोगकर्ताओं के लिए खड़े होने का मामला है। उपयोगकर्ताओं को पता होना चाहिए कि उनका डेटा कब एकत्र किया जा रहा है और कब अन्य एप्लिकेशन और वेबसाइटों पर साझा किया जा रहा है। उनके पास ऐसा करने की अनुमति देने का विकल्प होना चाहिए कि नहीं।' इसमें आगे कहा गया, 'आईओएस14 में ऐप ट्रैकिंग ट्रांसपेरेंसी के लिए फेसबुक को अपने उपयोगकर्ताओं को ट्रैक करने और लक्षित विज्ञापन बनाने के लिए दृष्टिकोण बदलने की जरूरत नहीं है, बस उन्हें उपयोगकर्ताओं को एक विकल्प देना होगा।' फेसबुक ने आईओएस 14 गोपनीयता परिवर्तन लाने की एप्पल की योजना की आलोचना की क्योंकि इससे उपयोगकर्ताओं को विज्ञापनों के साथ टारगेट करना मुश्किल हो जाएगा। फेसबुक के इन बदलावों के खिलाफ जाने के बाद एप्पल ने इन बदलावों के पूरे कार्यान्वयन को अगले साल तक के लिए रोक दिया है। इस फीचर के आने से उपयोगकर्ताओं पर विज्ञापन के मकसद से नजर रखने के लिए ऐप डेवलेपर्स को उपयोगकर्ताओं से अनुमति लेनी होगी। फेसबुक ने इस फीचर के बारे में शिकायत करते हुए कहा था कि यह उसके विज्ञापन बिजनेस को प्रभावित करेगा। एप्पल ने पिछले महीने फेसबुक पर उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता की अवहेलना का आरोप लगाया था।

साइबर सुरक्षा, डेटा सुरक्षा के प्रति आम लोगा का भरोसा जरूरी: रिजर्व बैंक गवर्नर

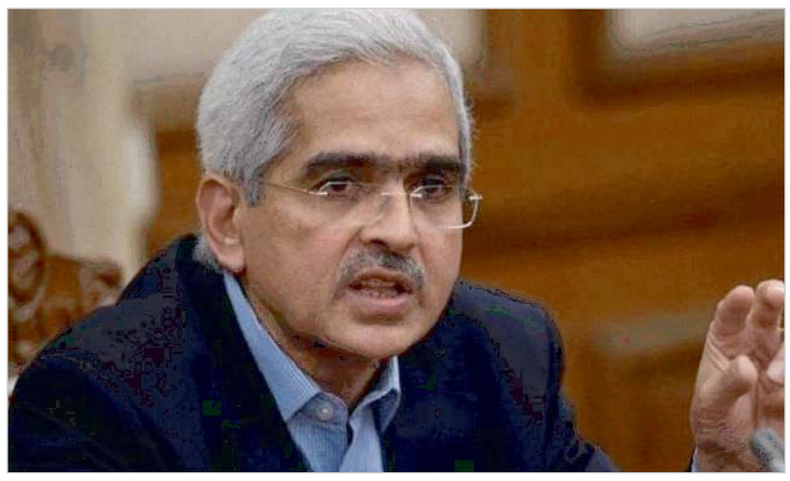

नेशनल डेस्क।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि बैंकिंग प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के प्रति आम लोगों का विश्वास जीतने के लिये साइबर सुरक्षा और डेटा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान होना चाहिये। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिये यह आवश्यक है। दास एनसीएईआर द्वारा आयोजित एक वेबिनार में बोल रहे थे। यह 'भारत में निवेशक शिक्षा में निवेश-- आगे बढ़ने की प्राथमिकता' विषय पर थी। दास ने कहा, 'प्रौद्योगिकी एक बड़ा साधन है लेकिन यह समाज के कुछ वर्गों को दूर करने का कारण भी बन सकती है।'

रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि अब तक वंचित रही आबादी के बीच औपचारिक वित्तीय (प्रौद्योगिकी) सेवाओं को लेकर विश्वास कायम करना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'उचित वित्तीय शिक्षा और जागरूकता के जरिये ग्राहक सुरक्षा और शिकायत निपटान, डेटा विश्वसनीयता, साइबर सुरक्षा और भ्रामक जानकारी के जरिये उत्पादों को बेचने जैसे मुद्दों के मामले में उपयुक्त सुरक्षोपाय किये जाने की आवश्यकता है। ये सभी मुद्दे वित्तीय शिक्षा प्रदाताओं के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है।' दास ने कहा कि देश में वित्तीय समावेश काफी तेज गति से बढ़ने जा रहा है। डिजिटल क्षेत्र के बारे में जानकारी रखने वाला युवा तेजी से इसके साथ जुड़ रहा है। सोशल मीडिया से शहरी- ग्रामीण क्षेत्र का फासला समाप्त होता जा रहा है और प्रौद्योगिकी अब नीतिगत हस्तक्षेप की तरह होती जा रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर ग्राहक सुरक्षा के साथ साथ रिण उपलब्धता निरंतर जारी रखने, निवेश, बीमा और पेंशन उत्पादों की मांग की अड़चनों को दूर करने के लिये इनकी पैठ बढ़ाने की आवश्यकता है। वित्तीय के साक्षरता के क्षेत्र में सथानीय भाषाओं को बढ़ावा मिलना चाहिये। इसमें स्थानीय स्थिति के मताबिक लक्षित क्षेत्र को ध्यान में रखने की जरूरत है। गवर्नर ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत जैसे बड़े देश में, जहां बड़ी संख्या में लोग अब भी सेवाओं के इंतजार में हैं, वित्तीय साक्षरता की जिम्मेदारी अकेले वित्तीय क्षेत्र के नियामक की नहीं हो सकती है।

ग्लोबल ब्रांड के रूप में उभरेगा ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : सीएम योगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट विश्व के बेहतरीन हवाई अड्डों में से एक होगा। उत्तर प्रदेश सरकार इसे विश्वस्तरीय बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। यह एयरपोर्ट भारत का गौरव बनेगा, हम इसे एक ग्लोबल ब्रांड के रूप में विश्व पटल पर प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोगो, नाम और डिजाइन को अपनी स्वीकृति दी। चार फेज में बनने को प्रस्तावित इस एयरपोर्ट की शुरूआती क्षमता 12 मिलियन यात्री प्रति वर्ष की होगी, जिसे अलग-अलग फेज में विस्तार देते हुए 2050 तक 70 मिलियन यात्री प्रति वर्ष तक किया जाएगा। यही नहीं प्रारंभ में यहां 2 रन-वे होंगे जिसे 5 रन-वे तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बहुप्रतीक्षित, विश्वस्तरीय एयरपोर्ट के लोगो, डिजाइन और नाम को स्वीकृति दी। इसका नाम नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, जेवर होगा, जबकि लोगो में राज्य पक्षी सारस का अक्स है। बात यात्री सुविधाओं की हो या भव्यता की, सब कुछ विश्वस्तरीय होगा। एयरपोर्ट की डिजाइन लंदन, मॉस्को और मिलान के विश्वप्रसिद्ध एयरपोर्ट की तर्ज पर तैयार की गई है। मुख्यमंत्री आवास पर इस संबंध में एक प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करते हुए योगी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर की स्थापना से उत्तर प्रदेश में औद्योगिक अवस्थापना का संरचनात्मक विकास होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ हवाई यातायात सुगम होगा। पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। योगी ने कहा कि एविएशन सेक्टर आज के समय में बहुआयामी प्रगति का माध्यम है। इससे आर्थिक विकास में भी वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट के विकास में हर संभव मदद देने की बात कही। प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए निदेशक एवं विशेष सचिव नागरिक उड्डयन, सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वस्तरीय एयरपोर्ट के निर्माण के लिए कंसेशनायर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. ने बीते 4 दिसंबर को मास्टर प्लान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के समक्ष प्रस्तुत किया था, जिसे परीक्षण के लिए नागरिक विमानन मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है। कंसेशन एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार, राज्य सरकार सहायता एग्रीमेंट की कार्यवाही 5 अप्रैल 2021 तक की जानी है। इस संबंध में कंसेशनायर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को पत्र भेजा जा चुका है। इसी माह यह कार्य भी पूरा हो जाएगा। विशेष सचिव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की स्थापना के लिए आवश्यक 1,334 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी द्वारा की गई है। साथ ही पुनर्वास व विस्थापन के लिए 48.097 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। इस स्थल पर कार्यदायी संस्था यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकास संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

सेबी ने कारोबारी गतिविधियों में धोखाधड़ी को लेकर 22 लोगों पर 1.58 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

बाजार नियामक सेबी ने सिनर्जी बिजकॉन लि. के शेयर कारोबार गतिविधियों में धोखाधड़ी करने को लेकर 22 लोगों पर कुल 1.58 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मामले में 5 लाख रुपये से लेकर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी ने सिनर्जी बिजकॉन लि. के शेयर कारोबार की 26 मई, 2015 से 14 अक्टूबर, 2016 के बीच जांच की। जांच में पाया गया कि ये सभी लोग एक-दूसरे जुड़े थे और मिल-जुकर कारोबार कर रहे थे ताकि उसकी मात्रा दिखे। इन लोगों ने कंपनी के शेयर के कारोबार में गलत और गुमराह करने वाला माहौल पैदा किया। सेबी के अनुसार इन लोगों ने धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार गतिविधियों के प्रावधानों का उल्लंघन किया। एक अलग आदेश में नियामक ने सिन्यू डेवलपर्स प्राइवेट लि. पर वित्तीय परिणाम के संदर्भ में समय पर खुलासा नहीं करने को लेकर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

'अवैध' विज्ञापनों को लेकर गूगल के खिलाफ मामला दर्ज

न्यूयार्क :

टेक्सास के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन ने 'अवैध' विज्ञापन को लेकर गूगल के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। याचिका में आरोप लगाया है कि ऑनलाइन विज्ञापन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा खत्म करने के लिए गूगल 'अवैध' तरीका अपना रही है। पैक्सटन ने बुधवार को ट्वीट किया कि डिजिटल विज्ञापनों के लुभावने बाजार में प्रतिस्पर्धा खत्म करने को लेकर अनुचित व्यवहार अपनाए जाने के खिलाफ उन्होंने मामला दर्ज कराया है। गूगल को विज्ञापनों के जरिए सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इस मामले पर गूगल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गूगल के खिलाफ दायर यह दूसरी याचिका है। इससे पहले अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने भी अक्टूबर में कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पिछले दिनों फेसबुक के खिलाफ भी याचिका दायर की गयी थी। याचिका में आरोप लगाया है कि गूगल बाजार में अपनी उपस्थिति का फायदा उठाते हुए विज्ञापनों को दिए जाने वाले स्थान के बारे में मनमानी कर रहा है और उनकी कीमतों पर भी वह एकतरफा तरीके से कदम उठा रहा है। पैक्सटन ने एक वीडियो में कहा कि कुछ और राज्यों द्वारा गूगल के खिलाफ याचिका दायर की जाएगी। हालांकि उन्होंने मामले में शामिल अन्य राज्यों के नामों का खुलासा नहीं किया। पैक्सटन प्रतिस्पर्धा खत्म करने के लिए अनुचित व्यवहार अपनाने को लेकर प्रौद्योगिकी कंपनियों की

आलोचना करते रहे हैं और टेक्सास भी हाल में ऐसे कुछ राज्यों में शामिल हो गया जिसने फेसबुक के खिलाफ याचिका दायर की। पैक्सटन ने कहा, ''कंपनी बाजार में अपने दबदबे का फायदा उठाकर प्रतिस्पर्धा खत्म करने और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। गूगल ने भी प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी है और ऑनलाइन विज्ञापन के बाजार पर कब्जा जमा लिया है।''

भारत में 150 करोड़ रुपये निवेश करेगी न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स

नई दिल्ली।

भारत की चौथी सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक्स लैब चेन-न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने वित्त-वर्ष 21 की चौथी तिमाही में दिल्ली और कोलकाता में अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा की। कंपनी इन विस्तार योजनाओं के मद्देनजर 150 करोड़ रुपये निवेश करेगी। उत्तर भारत के लिए दिल्ली-एनसीआर में कंपनी की रीजनल रेफरेंस लैब जनवरी 2021 से चालू होगी। फिलहाल भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण अफ्रीका में न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के पास 80 से ज्यादा लेबोरेटरीज और 1000 से अधिक टच-पॉइंट्स हैं। इस अवसर पर न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के चेयरमैन एवं एमडी डॉ. जी.एस.के. वेलू ने कहा, हमने अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स सेवाओं को सभी के लिए सुलभ और किफायती बनाने के मिशन के साथ अपने सफर की शुरूआत की थी। किफायती डायग्नोस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने संकल्प के साथ, हम अब उत्तर एवं पूर्वी भारत में उच्च गुणवत्तायुक्त सामान्य लैब तथा रेफरल लैब परीक्षण सेवाओं की शुरूआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हम नई पीढ़ी की तकनीकों को लॉन्च करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल जटिल बीमारियों की डायग्नोसिस के लिए किया जाता है, क्योंकि ऐसी परिस्थितियों में गहन विश्लेषण की आवश्यकता होती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस उद्योग में विशेषज्ञता प्राप्त एवं बेहद अनुभवी, डॉ. अमृता सिंह को इस क्षेत्र के लिए चीफ ऑफ लैब सर्विसेज नियुक्त किया गया है।

वह उत्तर और पूर्वी भारत में कंपनी के विस्तार और इससे संबंधित तकनीकी काम-काज की निगरानी करेंगी। कंपनी ने अगली तिमाही तक 10 नए लैब्स के साथ-साथ अगले वित्त-वर्ष के अंत तक 30 और लैब्स को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगली तिमाही में कंपनी ने अमेरिका में वाणिज्यिक स्तर पर परिचालन शुरू करने की योजना भी तैयार की है।

स्टेनलेस स्टील उद्योग ने की कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाने की मांग

नई दिल्ली।

भारतीय स्टेनलेस-स्टील उद्योग ने आगामी आम बजट में कच्चे माल पर मौजूदा आयात शुल्क में कटौती करने की मांग करते हुये कहा है कि इससे घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में घरेलू स्टेनलेस-स्टील उद्योग की शीर्ष संस्था इंडियन स्टेनलस स्टील डेवलपमेंट असोसिएशन (इसडा) ने अपील की है कि फेरो-निकेल और स्टेनलेस स्टील स्क्रैप जैसे प्रमुख कच्चे माल के आयात पर लगने वाले 2.5 प्रतिशत बीसीडी को रद्द किया जाना चाहिए। फिलहाल यह कच्चा माल देश में उपलब्ध नहीं हैं जिसके कारण इनका आयात अनिवार्य है। इसडा ने यह मांग भी की है कि स्टेनलेस-स्टील निर्माण में उपयोग किए जाने वाले ग्रैफाइट इलेक्ट्रोड पर लागू 7.5 प्रतिशत आयात शुल्क को भी हटाया जाना चाहिए क्योंकि यह लागत का बड़ा हिस्सा है। साथ ही इसडा ने स्टेनलेस-स्टील के तैयार उत्पाद पर जारी आयात शुल्क को 12.5 प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग की है ताकि यह कार्बन स्टील उत्पादों के बराबर लाया जा सके और अनुचित आयात को रोका जा सके। संगठन ने कहा कि ऐसे कदम उठाने से घरेलू निर्माण बढ़ेगा और 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा मिलेगा। इसडा के अध्यक्ष के के पाहुजा ने कहा कि सरकार ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के मद्देनज़र कई सुधारात्मक पहल की हैं और भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के लक्ष्य में योगदान करने के लिए तैयार है। यह उचित समय है जब सरकार उद्योग के लिए आवश्यक कच्चे माल को राजस्व का स्रोत न मानते हुए उसके आयात को सरल बनाये और घरेलू विनिर्माण उद्योग को प्रोत्साहन दे। इस पहल से घरेलू उत्पादकों को एक समान मौके मिलेंगे और उनकी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे एमएसएमई इकाईयां सशक्त होंगी। एमएसएमई क्षेत्र की घरेलू स्टेनलेस-स्टील उद्योग में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक आयात से घरेलू उद्योग को हानि हुई है। 9 से जुड़ी दिक्कतों के बाद घरेलू उद्योग वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और अपनी क्षमता के कुल 60 प्रतिशत स्तर पर परिचालन कर रहा है। इसके मद्देनजर सरकार से शुल्क प्रणाली का पुनर्गठन करने की मांग की जा रही है ताकि स्टेनलेस-स्टील उद्योग, जिसमें अतिरिक्त रोज़गार पैदा करने की संभावना है.

अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया स्थिर

मुंबई।

दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में रही तेजी से मिले समर्थन के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में आये उबाल के कारण आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 73.59 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। गत दिवस रुपया चार पैसे की तेजी में 73.59 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। घरेलू शेयर बाजार की तेजी के दम पर भारतीय मुद्रा की शुरुआत सात पैसे की तेजी के साथ 73.52 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से यह 73.39 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के उच्चतम स्तर पर पहुंची। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में ही तेजी के कारण तेल आयातकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ गयी जिससे भारतीय मुद्रा दबाव में आकर 73.59 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के निचले स्तर तक लुढ़क गयी। अंत में

रुपया 73.59 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» एडिलेड टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म, भारत का स्कोर 233/6

विराट के अर्द्धशतक के बावजूद भारतीय पारी लड़खड़ाई

एडीलेड। (एजेंसी)।

कप्तान विराट कोहली (74) की अर्धशतकीय पारी और चेतेश्वर पुजारा (43) की सधी हुई पारियों के बावजूद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट के पहले दिन गुरुवार को भारतीय पारी लड़खड़ा गयी और उसने दिन का खेल खत्म होने तक 89 ओवर में छह विकेट पर 233 रन बनाए।

भारत की ओर से विराट ने 180 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 74 रन और पुजारा ने 160 गेंदों में दो चौकों की मदद से 43 रन बनाए। स्टंप्स तक रविचंद्रन अश्विन 17 गेंदों में एक चौके की मदद से 15 और विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्दिमान साहा 25 गेंदों में एक चौके के सहारे नौ रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

इससे पहले टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया लेकिन तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने मैच की दूसरी ही गेंद पर ओपनर पृथ्वी शॉ को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। पृथ्वी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। पृथ्वी को युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गयी थी लेकिन वह प्रदशर्न करने में नाकाम रहे।

पहला झटका लगने के बाद मयंक अग्रवाल ने पुजारा के साथ पारी को संभालने की कोशिश की और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी हुई। लेकिन यह साझेदारी ज्यादा बड़ी नहीं हो सकी और तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने मयंक को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। मयंक ने 40 गेंदों में दो चौकों की मदद से 17 रन बनाए।

ओपनरों के सस्ते में आउट होने के बाद विराट और पुजारा ने भारतीय पारी को संभाला तथा दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती झटकों से उबरकर डिनर ब्रेक तक 41 रन बनाए।

डिनर के बाद पुजारा और विराट ने एक बार फिर सधी हुई पारियां खेली और दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी हुई।

ऑफ स्पिनर नाथन लियॉन ने चाय ब्रेक से कुछ समय पहले पुजारा को मार्नस लबुशेन के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत कर दिया और इस साझेदारी को तोड़ दिया। पुजारा के पवेलियन लौटने के बाद विराट ने उपकप्तान अजिंक्या रहाणे के साथ मिलकर पारी को गति देने की कोशिश की।

विराट ने संयम रखकर अपनी बल्लेबाजी जारी रखी और अपने टेस्ट करियर का 23वां अर्धशतक जड़ा। विराट और रहाणे के बीच अच्छी साझेदारी हुई और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 88 रन जोड़े। रहाणे ने 77वें ओवर की आखिरी गेंद पर शॉट लगाया और विराट को रन लेने का इशारा किया लेकिन रहाणे रुक गए और शतक की ओर धीरे-धीरे बढ़ रहे विराट रन आउट हो गए। विराट का विकेट टीम के 188 रन के स्कोर पर गिरा।

विराट के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी एक बार फिर लड़खड़ा गयी और रहाणे भी ज्यादा देर अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके तथा स्टार्क की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभ्यास मैच में शतक ठोका था लेकिन इस मुकाबले में वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्होंने 92 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए।

दूसरे अभ्यास मुकाबले में नाबाद शतक जड़ने वाले मध्यक्रम के बल्लेबाज हनुमा विहारी भी अपना जलवा बिखेरने में नाकाम रहे और सस्ते में आउट हो गए। विहारी को जोश हेजलवुड ने पगबाधा आउट कर पवेलियन भेजा। उन्होंने 25 गेंदों में दो चौकों की मदद से 16 रन बनाए।

भारत की पहली पारी को मजबूत स्कोर पर पहुंचाने की जिम्मेदारी अब साहा और अश्विन के कंधों पर है। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर टीम को विशाल स्कोर पर ले जाना चाहेंगे जबकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की नजरें भारतीय टीम की पारी जल्द समेटने पर होगी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिशेल स्टार्क ने 19 ओवर में 49 रन देकर दो विकेट झटके जबकि हेजलवुड ने 20 ओवर में 47 रन देकर एक विकेट, कमिंस ने 19 ओवर में 42 रन देकर एक विकेट और लियॉन ने 21 ओवर में 68 रन देकर एक विकेट लिया। कैमरुन ग्रीन नौ ओवर में 15 रन और मार्नस लाबुशेन एक ओवर में तीन रन देकर खाली हाथ रहे।

रिंग में उतरे बिना मुक्केबाजी विश्व कप में भारत के चार पदक पक्के!

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय मुक्केबाजों ने रिंग में उतरे बिना चार पदक पक्के किए जब गुरुवार को जर्मनी के कोलोन में मुक्केबाजी विश्व कप के ड्रॉ में देश के चार मुक्केबाजों को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय दल में हालांकि एक सहयोगी स्टाफ कोविड-19 पॉजिटिव भी पाया गया। एशियाई खेलों के चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (52 किग्रा) पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल से अपना अभियान शुरू करेंगे जबकि महिला वर्ग में पूजा रानी (75 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा) और सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) कम खिलाड़ियों के कारण अपने अपने वर्ग में अंतिम चार से शुरुआत करेंगे।

टीम के सहयोगी स्टाफ का एक सदस्य हालांकि कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। इस मामले के सामने आने के बाद दौरे पर गए मुक्केबाजों का एक और दौर का परीक्षण किया गया जिसमें कोई मुक्केबाज पॉजिटिव नहीं आया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक सूत्र ने बताया, ''फिजियो रोहित कश्यप कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है लेकिन मुक्केबाज ठीक हैं। उनका दोबारा परीक्षण कराया गया और वे नेगेटिव आए हैं। फिजियो को पृथकवास में रखा गया है और उसकी तबीयत ठीक है।''टीम को फिटनेस समस्याओं का भी सामना करना पड़ा जब एशियाई चैंपियनशिप के चार बार के पदक विजेता शिव थापा (63 किग्रा) और संजीत (91 किग्रा) को मामूली चोटों के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा। बाकी टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तीन दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी जिसके बाद स्वदेश लौटेगी।

इसके साथ ही टीम के यूरोप में एक महीने से अधिक के ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे का अंत होगा। पंघाल को गुरुवार को ही सेमीफाइनल में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता फ्रांस के बिलाल बेनामा से भिड़ना है। बिलाल ने जब कांस्य पदक जीता था तब पंघाल ने रजत पदक हासिल किया था। टूर्नामेंट में चार भारतीय पुरुष और पांच महिला मुक्केबाज हिस्सा ले रही हैं। भारत और मेजबान के अलावा टूर्नामेंट में बेल्जियम, क्रोएशिया, डेनमार्क, फ्रांस, मालदोवा, नीदरलैंड, पोलैंड और युक्रेन के मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : अहमदाबाद में नॉकआउट, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई में होंगे मैच

मुंबई। (एजेंसी)।

अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली टी20 चैम्पियनशिप के नॉकआउट मैच होंगे। ये मैच 20 से 31 जनवरी के बीच खेले जायेंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह द्वारा सभी प्रदेश संघों के सचिवों को भेजे गए पत्र के अनुसार टीमें छह समूहों में बांटी जायेंगी। इनमें पांच एलीट समूह और एक प्लेट समूह होगा। लीग चरण के मैच मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, इंदौर, चेन्नई और वडोदरा में खेले जायेंगे। पत्र में कहा गया ,'' बीसीसीआई घरेलू सत्र की शुरूआत सैयद मुश्ताक अली टी20 चैम्पियनशिप से 10 जनवरी को करेगा।''

शाह ने कहा ,'' टीमों को अपने अपने मेजबान शहरों में दो जनवरी को एकत्र होना होगा। इसके साथ ही कोरोना वायरस टेस्ट भी होंगे जबकि प्रदेश के पृथकवास प्रोटोकॉल का भी पालन किया जायेगा। '' प्लेट समूह के मैच चेन्नई में होंगे जिसमें आठ टीमें होंगी। बाकी 30 टीमों को पांच एलीट समूहों में बांटा गया है जिसमें हर समूह में छह टीमें होंगी। नॉकआउट चरण 26 जनवरी से शुरू होगा जबकि क्वार्टर फाइनल 26 और 27 जनवरी को खेले जायेंगे।सेमीफाइनल 29 जनवरी को और फाइनल 31 जनवरी को अहमदाबाद में होगा। खिलाड़ियों के कोरोना टेस्ट दो, चार और छह जनवरी को होंगे। इसके नतीजे अगले दिन घोषित होंगे। नॉकआउट से पहले भी 20 और 22 जनवरी को कोरोना टेस्ट होंगे। कोरोना महामारी के कारण विलंब से शुरू हो रहे घरेलू सत्र का यह पहला टूर्नामेंट होगा।

शास्त्री का बना मजाक, स्टार्क ने एक ही गेंद में किया सचिन-लारा-वीरू का शिकार!

नई दिल्ली। (एजेंसी)

शीर्षक देखकर आप चौंक गए होंगे कि कोई गेंदबाज एक ही ओवर में तीन बल्लेबाजों को कैसे आउट कर सकता है? दरअसल यह ट्वीट वायरल हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के बांए हाथ के तेज गेंदबाज ने पृथ्वी शॉ को अपने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर बोल्ड कर दिया। यह स्टार्क की तारीफ कम और भारतीय कोच रवि शास्त्री का मजाक ज्यादा है।

इसके पीछे भारतीय कोच द्वारा पृथ्वी शॉ के लिए दिया गया बयान है। उन्होंने साल 2018 में एक बार कहा था कि पृथ्वी शॉ में थोड़ी सचिन की झलक है , थोड़ी वीरेंद्र सहवाग की और जब वह मैदान की ओर चलते हैं तो लारा की झलक भी दिखती है।

पृथ्वी शॉ के पहले ही ओवर में आउट होने के बाद यह ट्वीट वायरल हो गया और शस्त्री के इस

बयान को बहुत ट्रोल किया गया। स्टार्क की एक फोटो भी काफी वायरल हो रही है। इसमें एक बच्चा स्टार्क से पूछता है कि आपके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है , तो स्टार्क जवाब देते हैं कि उन्होंने एक ही गेंद में सचिन, वीरू और लारा को आउट किया है। मतलब पृथ्वी शॉ को शास्त्री के मुताबिक।

यही नहीं एक हैंडल ने यह भी कहा कि थोड़ी झलक सचिन , वीरू और लारा की जरूर मिलती है लेकिन ज्यादातर शाहिद अफरीदी की झलक देखने को मिलती है। गौरतलब है कि पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी बहुत बार शून्य पर आउट हुए थे।

मिचेल स्टार्क का गुलाबी गेंद से अब तक खेले गए 7 टेस्ट मैचों में शानदार रिकॉर्ड रहा है जिसमें उन्होंने सर्वाधिक 42 विकेट लिए हैं।एडिलेड टेस्ट में भी वह दो विकेट ले चुके हैं।

मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम को मिला छह स्क्वाश कोर्ट, जानिए क्या मिलेंगी सुविधाएं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर खेल मंत्री किरेन रीजीजू की मौजूदगी में छह स्क्वाश कोर्ट का शिलान्यास किया। इस परियोजना को पूरा होने में करीब छह महीने लेंगे और इसकी लागत पांच करोड़ 52 लाख रूपये आयेगी। ये कोर्ट 750 वर्गमीटर में बनेंगे। इसमें छह एकल स्क्वाश कोर्ट होंगे जिनमें से तीन को युगल कोर्ट में बदला जा सकता है। स्क्वाश के शौकीन जयशंकर ने कहा ,'' भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। वहीं हमारे पास उत्साही कोच भी हैं जो प्रतिभा को निखारने पर पूरा समय देते हैं।

ऐसी एक जगह की जरूरत थी जहां उदीयमान खिलाड़ी और कोच मिल सकें। उम्मीद है कि यह आदर्श केंद्र बनेगा और आने वाले समय में ऐसे कई केंद्र स्थापित होंगे।'' उन्होंने कहा ,'' हमें खेलों को सभी तक पहुंचाना है। जिन खेलों में हमारा प्रदर्शन अच्छा है, वह इसीलिये कि वे सभी के लिये सुलभ हैं। स्क्वाश में भी यह उसी दिशा में एक कदम है।'' खेलमंत्री रीजीजू ने कहा ,''यह स्क्वाश कोर्ट विश्व स्तरीय होने के साथ उत्कृष्टता केंद्र भी होगा। उम्मीद है कि यहां से विश्व चैम्पियन निकलेंगे। हम खिलाड़ियों को पूरी सुविधायें देंगे।

देशी दूल्हा, विदेशी दुल्हन : हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह ने की इली सिद्दीकी से शादी

दुबई। (एजेंसी)

हॉकी इंडिया को ओलंपिक में पदक दिलाने की जी तोड़े कोशिशों के बीच पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने अपना घर बसा लिया है। उन्होंने अपनी मंगेतर इली सिद्दीकी के साथ बुधवार को शादी कर ली।

सूत्रों की माने तो इली और मनप्रीत का प्रेम विवाह हुआ है। दोनों ही एक दूसरे को करीबन 8 साल से जानते थे। साल 2012 में खेले गए सुल्तान जोहोर कप जूनियर हॉकी टूर्नामेंट के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। यह टूर्नामेंट मलेशिया में खेला गया था जहां कि इली नागरिक हैं। दोनों की ही शादी की खबर आने पर बधाईयों का तांता लग गया। टीम इंडिया ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कैप्शन 'वदाई यां जी वदाई यां' लिख कर दोनों को बधाई दी। जालंधर निवासी मनप्रीत और इली का विवाह जीटीबी नगर गुरुद्वारे में कराया गया। विवाह कोरोना प्रोटोकोल को ध्यान में रखकर हुआ और गिने चुने मेहमानों को ही इसमें बुलाया गया। भारतीय हॉकी टीम के कुछ पूर्व और कुछ मौजूदा खिलाड़ियों ने इस विवाह के दौरान उपस्थित थे। अगस्त में मनप्रीत समेत छह हॉकी खिलाड़ी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। जिसके चलते लड़के वाले बिल्कुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते थे।

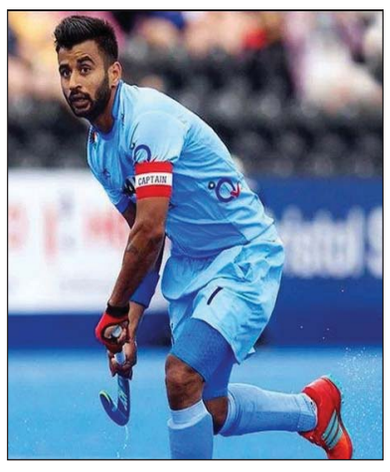

अब नहीं दिखेगी विराट-आमिर की भिड़ंत, धाकड़ पाक गेंदबाज ने लिया संन्यास

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला करते हुए आरोप लगाया कि उनका राष्ट्रीय बोर्ड प्रबंधन उन्हें 'मानसिक रूप से प्रताड़ित' कर रहा है। पाकिस्तान की वेबसाइट 'खेल-शेल' द्वारा जारी वीडियो साक्षात्कार में 28 साल के इस तेज गेंदबाज ने यह हैरानी भरी घोषणा की।

गौरतलब है कि भारत पाक क्रिकेट में विराट कोहली और मो. आमिर के बीच की भिड़त को वैसा ही देखा जाता था जैसे सचिन और अख्तर की। कोहली ने भी माना है कि आमिर विश्व क्रिकेट के सबसे घातक गेंदबाज हैं।

अभी श्रीलंका में मौजूद आमिर ने स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होने के कारण लगे प्रतिबंध के संदर्भ में कहा, ''मैं इस बार क्रिकेट को अलविदा कह रहा हूं क्योंकि मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। मैं अब इस प्रताड़ना का सामना नहीं कर सकता। मैंने 2010 से 2015 तक प्रताड़ना का सामना किया, कारण चाहे कुछ भी रहा हो मैं क्रिकेट से दूर रहा। मैंने सजा का सामना किया और सब कुछ किया। ''

उन्होंने कहा, ''लेकिन लगातार हो रही इस चर्चा से मैं प्रताड़ित महसूस कर रहा हूं कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने मेरे ऊपर निवेश किया। मैं मौजूदा प्रबंधन के अंतर्गत नहीं खेल सकता।'' सोशल मीडिया पर आमिर का वीडियो वायरल होने के बाद पीसीबी के मुख्य कार्यकारी वसीम खान ने इस तेज गेंदबाज से बात की और संक्षिप्त बयान जारी किया।

बयान के अनुसार, ''29 साल के इस खिलाड़ी (आमिर) ने पीसीबी के मुख्य कार्यकारी को पुष्टि की है कि उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का कोई इरादा या इच्छा नहीं है और ऐसे में भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उनके नाम पर विचार नहीं होगा।''

इसमें कहा गया, ''यह मोहम्मद आमिर का निजी फैसला है जिसका पीसीबी सम्मान करता है और इस समय इस मुद्दे पर और कोई बयान नहीं देगा।''आमिर ने सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान लगाने के लिए पिछले साल टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था क्योंकि उन्हें लगा कि उनका शरीर सभी प्रारूपों में खेलने के बोझ का सामना नहीं कर सकता। इस तेज गेंदबाज ने 2009 में पदार्पण के बाद 36 टेस्ट में 119 विकेट हासिल किए। स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों में उन्हें 2010 से 2015 तक प्रतिबंध का सामना भी करना पड़ा।

आमिर ने कहा, ''मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता हूं। लेकिन हर महीने या दो महीने में वे मेरी गेंदबाजी के बारे में कुछ कहते हैं या कहते हैं कि मैं धोखा दे रहा हूं, मेरे ऊपर काम का कोई बोझ नहीं है, वगैरह-वगैरह।''

उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि मुझे बताया जा रहा है कि मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। इन सभी चीजों पर विचार करने के बाद मैं ऐसा (संन्यास लेने का फैसला) कर रहा हूं। मैं एक या दो दिन में पाकिस्तान पहुंच रहा हूं और इसका कारण बताते हुए बयान जारी करूंगा।''

आमिर को न्यूजीलैंड दौरे के लिए पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं दी गई थी। गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने हाल में कहा था कि उन्होंने काम के बोझ के कारण टेस्ट क्रिकेट को अलविदा नहीं कहा था और इसके पीछे के कारणों के बारे में यह तेज गेंदबाज ही

बेहतर बता सकता है। आमिर पाकिस्तान की उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2009 विश्व टी20 कप जीतने के अलावा 2017 में चैंपियन्स ट्रॉफी खिताब जीता।

इस तेज गेंदबाज ने कहा कि पीसीबी के पूर्व प्रमुख नजम सेठी और पूर्व आलराउंडर शाहिद अफरीदी ही सिर्फ दो व्यक्ति थे जिन्होंने प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए उनकी मदद की। उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ इन दो लोगों को श्रेय दूंगा। सेठी ने अकेले दम पर मेरी मदद की और मेरी वापसी के बाद जब सभी ने कहा कि आमिर के साथ मत खेलो तो उस समय अफरीदी ने मेरी मदद की।'' आमिर ने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में हिस्सा लिया जो बुधवार को संपन्न हुई। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत गॉल ग्लेडियेटर्स की टीम फाइनल में जगह बनाने में सफल रही जहां उसे जाफना स्टॉलियन्स के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

2022 बीजिंग खेलों को लेकर इंटरनेशनल ओलंपिक समिति पर लगा ये गंभीर आरोप

वाशिंगटन। चीन में जातीय अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक गठजोड़ ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति पर 2022 शीतकालीन खेलों की मेजबानी की तैयारी में जुटे बीजिंग में मानवाधिकार उल्लंघन की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। तिब्बतियों और अन्य समूहों का प्रतिनिधित्व कर रहे एक मानवाधिकार समूह ने आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और आईओसी सदस्य जुआन अंतोनियो समारांच जूनियर को लिखे पत्र में यह आरोप लगाया है।

पत्र में लिखा है कि आईओसी ने चीनी अधिकारियों द्वारा किये जा रहे व्यापक और सुनियोजित मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर आंखें मूंद रखी है। इस समूह ने तीन महीने पहले एक खुला पत्र लिखकर आईओसी से बीजिंग से मेजबानी वापिस लेने को कहा था। आईओसी ने यह कहकर चीन को 2008 के ओलंपिक की मेजबानी दी थी कि इससे वहां मानवाधिकारों की स्थिति बेहतर होगी। इस समूह ने आईओसी से कहा कि अब वहां मानवाधिकार संबंधी हालात 12 वर्ष पहले से बदतर हैं और चीन में तानाशाही का साम्राज्य है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस लड़की के साथ होने वाली थी सलमान खान की शादी, कार्ड भी छप गये थे लेकिन फिर मिला धोखा

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपनी एक्टिंग के लिए तो मशहूर है ही साथ ही एक कारण और है जिसे लेकर हर कोई उनसे एक न एक बार ये सवाल पूछ चुका है कि सलमान खान शादी कब करेंगे? सलमान खान की शादी को लेकर भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी चर्चा है। आखिर उन्होंने अब तक शादी क्यों नहीं की? इस सवाल का जवाब हर कोई जानना चाहता हैं। बहुत बार पूछा भी जा चुका है लेकिन इसका जवाब उन्होंने कभी गुस्से से तो कभी प्यार से टाल दिया है।

ऐसा नहीं है कि सलमान खान को लड़कियों से कोई दिक्कत है, सलमान खान के कई सारी लड़कियों के साथ रिश्ते रह चुके हैं। शायद सलमान खान को शादी से भी कई दिक्कत नहीं है क्योंकि अगर शादी से परेशानी होती तो वह काफी शादी के बारे में सोचते ही नहीं। भले ही सलमान खान ने शादी नहीं कि लेकिन उनकी शादी के कार्ड एक बार छप चुके हैं। वह भी अपने साथी के साथ आने वाले सात जन्म बिताना चाहते थे।

सलमान खान के खास दोस्त निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने द कपिल शर्मा शो में सलमान खान को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। नाडियाडवाला ने बताया कि सलमान खान एक लड़की से बहुत प्यार करते थे वो उसके साथ शादी करने की पूरी प्लानिंग कर चुके थे। सलमान खान और मैंने एक ही दिन शादी करने का फैलसा हमने शादी की डेट को 18 नवंबर चुना था। इस दिन सलमान खान के पिता सलीम खान का जन्मदिन भी होता है। कार्ड भी छप गये थे। शादी के 5-6 दिन बचे थे सलमान खान ने कहा कि शादी का मूड नहीं है। उसके बाद मेरी शादी वाले दिन मुझसे मिलने के लिए स्टेज पर आये और गले मिले। गले मिलते हुए उन्होंने मेरे काम में कहा कि बाहर गाड़ी खड़ी है शादी छोड़कर भाग ले।

सलमान खान किसके साथ शादी करने वाले थे साजिद ने उस लड़की का नाम नहीं लिया लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक वो लड़की एक्ट्रेस संगीता बिजलानी थी। उन्होंने सलमान खान से चीटिंग की थी, जिसके बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था। पुरानी मैगजीन के अनुसार सलमान खान और संगीता बिजलानी एक रिश्ते में थे लेकिन एक मैच के दौरान संगीता बिजलानी की मुलाकात क्रिकेटर मुहम्मद अजहरुद्दीन से हुई और दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ गये। संगीता ने सलमान खान को छोड़ने का फैसला किया और मुहम्मद अजहरुद्दीन ने अपनी पत्नी को, जिसके बाद दोनों ने 1996 में शादी कर ली।

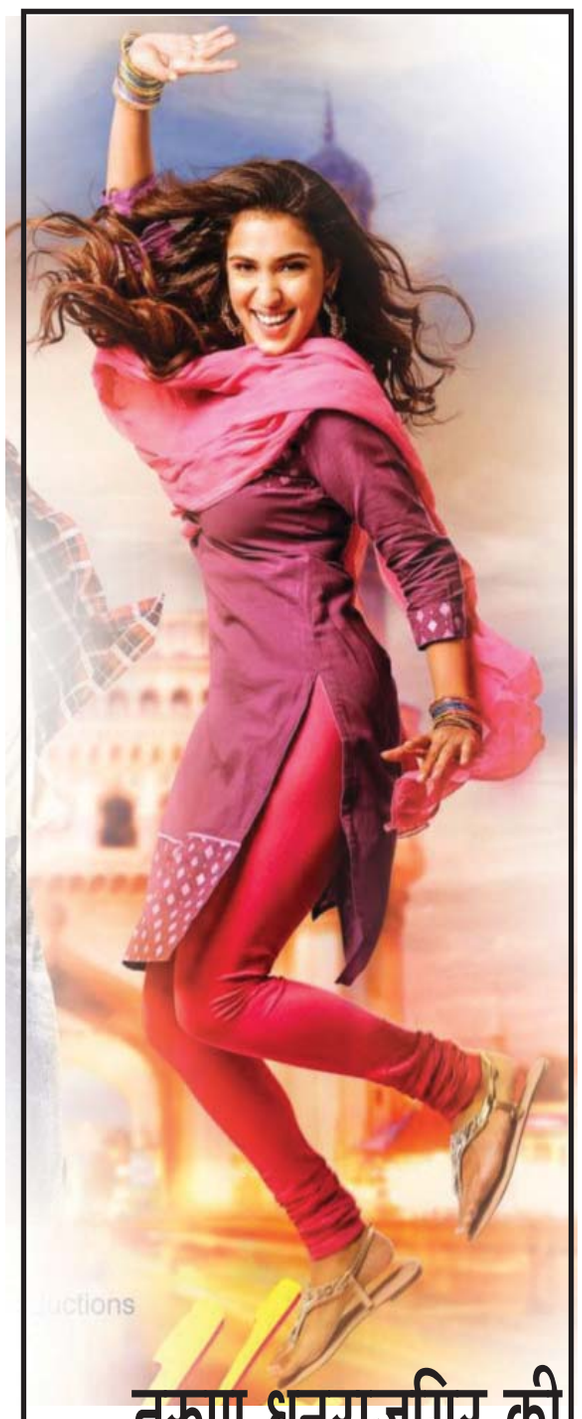

तरुण धनराजगिर की बेटी जाह्नवी 'बोलो हाऊ' से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

जाह्नवी धनराजगिर जिनकी यात्रा फिल्म संपादकों के रूप में शुरू हुई अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह एक हिन्दी फीचर फिल्म 'बोलो हाऊ' स डेब्यू करेंगी। यह एक मजेदार लव स्टोरी है। 'बोलो' हाऊ उनके पिता और कलाकार, अभिनेता तरुण धनराजगीर द्वारा निर्देशित है।

तरुण धनराजगीर 1985 में दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले प्राइड एंड प्रेजुडिस के भारतीय रीमेक में मिस्टर डार्सी के नाम से जाने जाते हैह। बोलो हाऊ में जाह्नवी रुखसार की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो आज की एक युवा, उत्साही लड़की है। हालांकि वह रूढ़िवादी नवाब परिवार में पैदा हुई है, वह खुद एक मजबूत व्यक्ति है।

जाह्नवी गुंडे और किक जैसी सुपरहिट बॉलीवुड फिल्मों में सहायक संपादक रही हैं और सुल्तान पर सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। जाह्नवी सिर्फ बोलो हाऊ में ही मुख्य अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि फिल्म की संपादक भी हैं।

रोल रिवर्सल और अब स्क्रीन के सामने होने के बारे में बात करते हुए, जाह्नवी ने कहा, बोलो हाऊ में मुख्य अभिनेता के रूप में काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। मैं हमेशा कैमरे के पीछे रही हूं, एडिट टेबल पर अग्रणी हूं। हालांकि, अभिनय के लिए हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही विशेष स्थान था। मैं लंबे समय से एक्टिंग कर रही हूं- संपादन से पहले मेरे जीवन में प्रदर्शन था और मैने इसे पेशेवर के रूप से आगे बढ़ाने पर विचार नहीं किया था।

उन्होंने कहा, मैं थोड़ा आशंकित थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया मेरी एक्टिंग करने की इच्छा को हिला नहीं सका, मुझे एहसास हुआ कि अगर मैंने इसे उचित शॉट नहीं दिया, तो मुझे इसका पछतावा होगा। इसका परिणाम अप्रासंगिक है, हम नहीं जानते। क्या हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, लेकिन हम इसे कम से कम करने की कोशिश करने के लिए खुद पर एहसान करते हैं। इसलिए, मैं यहां हूं, उस मौके को लेते हुए और अच्छे की उम्मीद करते हुए।

जाह्नवी ने प्रोजेक्ट पर काम करते हुए अपनी सबसे बड़ी चुनौती के बारे में भी बताया, उन्होंने कहा, रुखसार को जीवन में लाने की सबसे बड़ी चुनौती थी हैदराबादी लहजा, मुझे सही लहजा पाने की जरूरत थी। हैदराबादी उर्दू में एक अद्वितीय गुण है, मैंने लोगों को बारीकियों को सही ढंग से पकड़ने के लिए बहुत समय हैदराबाद में बिताया है। मैंने हर किसी से बात करके अभ्यास किया, मेरे साथ मेरे पिता और आबिद भाई (आबिद शाह- कहानी, पटकथा, संवाद लेखक) भी थे और हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देते थे।

बधाई दो के लिए बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन में से होकर गुजरे राजकुमार रॉव

सोशल मीडिया पर राजकुमार राव को फॉलो करने वाले सभी लोगों को उनके नए लुक के बारे में पता चल गया होगा। राजकुमार को इस अवतार में पहली बार देखा जा रहा है। राजकुमार फिलहाल बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की प्रक्रिया में से होकर गुजर रहे हैं क्योंकि उन्होंने जंगली पिक्च र्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बधाई दो' में एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका को निभाने की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। फिल्म में भूमि पेडनेकर भी पीटी टीचर के रूप में दिखाई देंगी। यह सुनने में आया है कि महिला पुलिस थाने में एक सख्त पुलिस अफसर के रूप में ढलने के लिए राजकुमार पिछले कुछ महीनों से कठोर प्रशिक्षण ले रहे हैं क्योंकि इसकी शूटिंग जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इन दिनों राजकुमार एक स्ट्रीक्ट डायट और अपनी फिटनेस रूटीन का काफी ध्यान से पालन कर रहे हैं। शानदार मसल्स और बॉडी के अलावा राजकुमार फिल्म में मूंछों व एक नए हेयर स्टाइल में नजर आएंगे। 'बधाई दो' के बारे में एक बार बात करते हुए अभिनेता ने बताया था, ''बधाई दो' वास्तव में मेरे लिए एक खास फिल्म है। इसके लिए मैं एक स्ट्रीक्ट रूटीन का पालन कर रहा हूं। ऑर्गेनिक व नैचुरल आहार का सेवन कर रहा हूं जैसे कि फल, जई, क्विनोआ और सत्तू वगैरह। ये सारे शाकाहारी हैं। लॉकडाउन के दौरान भी घर पर मैं कसरत करता रहा और अब धीरे-धीरे जीवन में बदलाव देखने को मिल रहा है। यह फिल्म हर्षवर्धन कुलकर्णी द्वारा निर्देशित और अक्षत घिल्डियाल व सुमन अधिकारी द्वारा लिखित है।

इम्तियाज अली संग काम करने का कार्तिक आर्यन ने शेयर किया अनुभव

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म करने के लिए जानी जाती हैं लेकिन फिल्म लव आज कल को कमर्शियली अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब इस फिल्म की असफलता को लेकर कार्तिक आर्यन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इंटरव्यू के दौरान, कार्तिक आर्यन से पूछा गया कि फिल्म की खराब परफॉर्मेंस को उन्होंने कैसे हैंडल किया? इसपर उन्होंने कहा, ''मुझे नही लगता है कि मुझे किसी चीज को हैंडल करना पड़ा। जब मुझे 'लव आज कल' ऑफर हुई थी तो मैं इम्तियाज की लव स्टोरी फिल्म पर काम करने की प्रक्रिया को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटेड था।'' उन्होंने आगे कहा, मैंने सेट पर कई सारी चीजें सीखीं और उस वक्त एनर्जी अलग ही लेवल का था। इसने एक एक्टर के तौर पर मुझे इतना कुछ दिया कि मैं रिजल्ट को लेकर परेशान नहीं हुआ। बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्मेंस मिलना अच्छा है लेकिन औसत से कम होने पर भी मैं परेशान नहीं होता हूं। कम से कम अभी तक तो नहीं, बल्कि फिल्म में मेरी परफॉर्मेंस को बहुत पसंद किया गया, खासकर मेरे पसंदीदा फिल्ममेकर ने जो कि मेरे लिए काफी है।''

पत्रकार ने लिया गलत नाम तो भडकी कियारा

फिल्म फगली से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के पास इन दिनों कई शानदार फिल्में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'इंदु की जवानी' रिलीज हुई है। इस फिल्म के एक कार्यक्रम में कियारा एक पत्रकार पर तब गुस्सा हो गईं जब उसने उनका गलत नाम पुकारा। इस फिल्म के इवेंट में कियारा ने गलत नाम लेने पर सवाल का जवाब देने से भी मना कर दिया। इवेंट में कियारा आडवाणी एक इवेंट के दौरान कुछ पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रही थीं। तभी एक पत्रकार के नाम पुकारने पर वह नाराज हो गईं। पत्रकार ने उन्हें कायरा कहकर पुकारा जिस पर कियारा ने कहा- 'कायरा नहीं कियारा।' खबरों के मुताबिक, कियारा ने पत्रकार से पूछा- आपने मुझे क्या कहा? क्या आपने मुझे कायरा कहा या कियारा? इसके बाद कियारा ने कहा कि वह उस पत्रकार के सवाल का जवाब नहीं देंगी जो उनका नाम गलत तरीके से पुकारेगा। बता दें कि इंदु की जवानी को समीक्षकों ने कम सराहा है लेकिन कियारा की उनके रोल के लिए प्रशंसा हो रही है।

रसिका दुग्गल ने बताया मिर्जापुर का सिंपल पॉलिटिक्स

रिलीज होने के बाद ही काफी चर्चित हो रही मिर्जापुर वेब सीरीज का दूसरा सीजन अब तमिल और तेलुगु में भी देखा जा सकता है। सीरीज में कालीन भैया यानी पंकज त्रिपाठी की पत्नी का रोल करने वालीं रसिका दुग्गल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह जानकारी दी है। यही नहीं रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर की आसान पॉलिटिक्स को भी अपनी पोस्ट में समझाया है। दरअसल रसिका दुग्गल ने वेब सीरीज का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें वह त्रिपाठी परिवार के घरेलू नौकर राजा से कहती हैं, 'बेटे दो हैं कालीन भैया के, लेकिन मिर्जापुर की गद्दी एक ही है। जो बचेगा, वही बैठेगा।' इस वीडियो के साथ ही रसिका दुग्गल ने कैप्शन में लिखा, 'मिर्जापुर का सिंपल पॉलिटिक्स।' इसके आगे वह लिखती हैं, 'अब तमिल और तेलुगू में भी डबिंग। भाषाएं अनेक गद्दी एक।' रसिका दुग्गल वेब सीरीज में त्रिपाठी परिवार की बहू के रोल में नजर आती हैं, जो मुन्ना भैया की सौतेली मां की भूमिका में हैं। अपने बेटे को जन्म देने के बाद से वह भितरघात करती दिखती हैं और त्रिपाठी परिवार से बदला लेने की फिराक में घूम रहे गुड्डू पंडित के साथ मिलकर गेम खेलती हैं। रसिका दुग्गल के रोल को वेब सीरीज में काफी पसंद किया गया है। यही नहीं अकसर कई मीम्स रसिका दुग्गल से जुड़े सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। रसिका दुग्गल को भले ही मिर्जापुर वेब सीरीज के जरिए पहचान मिली है, लेकिन वह कई हिंदी फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी हैं। तू है मेरा संडे और हामिद जैसी फिल्मों में वह अभिनय कर चुकी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बहुत जल्द जो बाइडेन और माइक पेंस को लगाया जाएगा कोविड-19 का टीका

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और उप राष्ट्रपति माइक पेंस को जल्द ही कोविड-19 का टीका लगाया जाएगा। इस संबंध में जानकारी रखनेवाले सत्ता हस्तांतरण से संबंधित दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन को अगले सप्ताह तक सार्वजनिक तौर पर टीका लगाया जा सकता है। इस मामले के बारे में सार्वजनिक तौर पर जानकारी देने के लिए अधिकृत नहीं होने की वजह से अधिकारियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि पेंस और उनकी पत्नी केरन को सार्वजनिक तौर पर शुक्रवार को टीका लगाया जाएगा।
बाइडन ने मंगलवार को कहा कि संक्रामक बीमारियों के देश के शीर्ष विशेषज्ञ डॉक्टर फाउची ने उन्हें सलाह दी है कि वह 'जल्द' टीका लगाएं। बाइडन ने कहा था कि वह चाहते हैं कि स्वास्थ्य के मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति में काम कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों और सबसे ज्यादा खतरे का सामना कर रहे लोगों को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए टीका लगे। बहरहाल, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सार्वजनिक तौर पर उन्हें टीका लगाए जाने से लोगों में टीकाकरण के प्रति विश्वास जगेगा।

कार्डिनल जॉर्ज पेल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईसाई मूल्यों की रक्षा करने वाला बताया

रोम। पोप फ्रांसिस के पूर्व कोषाध्यक्ष कार्डिनल जॉर्ज पेल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करते हुए उन्हें ईसाई मूल्यों की रक्षा करने वाला बताया और अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में उनके द्वारा की गई नियुक्तियों को 'शानदार' करार दिया लेकिन इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव की निष्ठा के प्रति शंका पैदा करने के उनके प्रयासों पर सवाल भी खड़े किए। पेल ने बुधवार को अपनी किताब 'प्रिजन जर्नल' के विमोचन के दौरान बुधवार को संवाददाताओं से कहा, '' महान लोक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर करना कोई छोटी बात नहीं है।''
पेल की यह किताब यौन उत्पीड़न के आरोप में जेल में एकांत में बिताए गए 404 दिनों के बारे में है। हालांकि यौन उत्पीड़न के मामले में ऑस्ट्रेलिया के उच्च न्यायालय ने उनकी सजा निरस्त कर दी थी। अपनी किताब में पेल अदालत में चले मामले, कैथोलिक चर्च के मौजूदा घटनाक्रम और दुनिया के अलग-अलग मुद्दों पर बात करते हैं। इसी दौरान वह एक जगह कहते हैं कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ट्रंप ''थोड़े से असभ्य किस्म के हैं।'' ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन के दौरान पेल ने कहा कि ईसाईयों का कर्तव्य है कि वे अपने मूल्यों को सार्वजनिक स्थानों पर लाएं और ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की तीन नियुक्तियों के साथ 'सकारात्मक' योगदान दिया, जिनमें से दो कैथोलिक थे।

धरती पर लौटा चीनी चंद्रयान, चांद की सतह से इकट्ठा किए गए 2 किलो कण

बीजिंग। चीन का चंद्रयान 'चांग ई 5' चांद की सतह से नमूने लेने के बाद सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौट आया है।चांद से 40 से अधिक वर्ष बाद नमूने पृथ्वी पर लाए गए हैं। 'चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन' (सीएनएसए) के अनुसार 'चांग ई 5' मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के सिजिवांग बैनर में स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजकर 59 मिनट (बुधवार को) उतरा। सीएनएसए के प्रमुख झांग केजन ने 'चांग ई 5' अभियान को सफल घोषित किया है। चीन की सरकार समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, इसके साथ ही चंद्रमा की कक्षा में जाना, वहां उतरना और नमूने वापस लाने का चीन का वर्तमान तीन-चरणीय चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम सफलतापूर्वक समाप्त हो गया, जिसकी शुरुआत 2004 में हुई थी।
'चांग ई 5 'के चार में से दो मॉड्यूल एक दिसम्बर को चंद्रमा की सतह पर पहुंचे थे और उन्होंने सहत से खुदाई करके करीब दो किलोग्राम नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को सील बंद कंटेनर में रखा गया और उसे वापस आने वाले मॉड्यूल में स्थानांतरित किया गया। 'चांग ई 5' चांद की सतह पर पहुंचने वाला चीन का तीसरा यान है। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम की कड़ी का हालिया अभियान है। अभियान के तहत भेजा गया 'चांग ई 4' चंद्रमा के सुदूरवर्ती क्षेत्र में पहुंचने वाला पहला यान था। इससे पहले पूर्व सोवियत संघ द्वारा भेजे गये रोबोट वाले लूना 24 अंतरिक्ष यान के जरिये वैज्ञानिकों को चांद से लाये गये नमूने प्राप्त हुए थे।

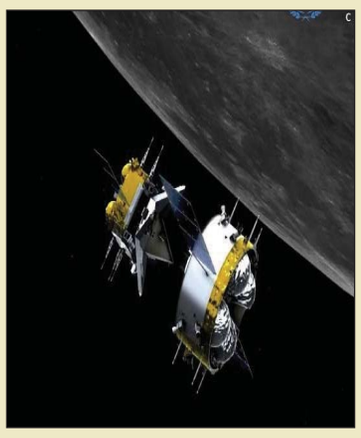

रूस में 'स्पूतनिक वी' का टीका लगना शुरू,पहले चरण में शिक्षकों को दी गई वैक्सीन

मॉस्को। (एजेंसी)। रूस में विकसित कोविड-19 के टीका 'स्पूतनिक वी' पर लोगों की मिली जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों का टीकाकरण किया जा रहा है लेकिन मॉस्को में कई क्लीनिकों पर टीका लगाने के लिए लोग नहीं आ रहे। रूस की सरकार और मीडिया ने 'स्पूतनिक वी' टीका को 11 अगस्त को मंजूरी दिए जाने के बाद इसे बहुत बड़ी उपलब्धि बताया था। लेकिन, आम लोगों के बीच टीका को लेकर बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया नहीं दिख रही और कई लोग इसके कारगर और सुरक्षित होने को लेकर संदेह जता रहे हैं। प्रायोगिक परीक्षण के सभी चरण को पूरा नहीं करने के लिए रूस को आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। देश और विदेश के विशेषज्ञों ने टीका के मूल्यांकन का काम पूरा होने तक इसके व्यापक इस्तेमाल करने के खिलाफ आगाह भी किया। हालांकि प्रशासन ने सुझावों की उपेक्षा करते हुए अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों समेत जोखिम वाले समूहों को टीका देने की शुरुआत कर दी। टीका विकसित करने वाले गमालेया इंस्टीट्यूट के प्रमुख अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस के डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को टीके की खुराक दी जा चुकी है।
मॉस्को से करीब 500 किलोमीटर दूर वोरोनेझ में आईसीयू विशेषज्ञ अलेक्जेंडर जस्टसेपीन ने भी टीके की खुराक ली। उन्होंने कहा कि टीका लेने के बावजूद वह एहतियात बरत रहे हैं क्योंकि इसके असर के बारे में अध्ययन अब तक पूरा नहीं हुआ है। ब्रिटेन ने दो दिसंबर को फाइजर के टीके को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद टीका निर्माण को लेकर होड़ में पीछे छूटने की आशंका के चलते रूस ने भी बड़े स्तर पर टीकाकरण की शुरुआत कर दी। रूस ने अपने देश में विकसित टीके को महज कुछ दर्जन लोगों पर क्लीनिकल परीक्षण के बाद ही उसे इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी। टीका निर्माताओं ने इसे 'स्पूतनिक वी' नाम दिया। इस तरह इसका संदर्भ शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ द्वारा 1957 में छोड़े गए पहले उपग्रह के साथ जोड़ा गया।
ब्रिटेन में टीके की खुराक सबसे पहले बुजुर्गों को दी जा रही है जबकि 'स्पूतनिक वी' की खुराक 18 साल से 60 के उम्र के लोगों को दी जा रही है। टीका निर्माताओं ने कहा है अध्ययन से पता चला है कि स्पूतनिक टीका 91 प्रतिशत कारगर रहा। करीब 23,000 प्रतिभागियों पर किए गए अध्ययन से यह नतीजा निकाला गया। जबकि, पश्चिमी देशों ने परीक्षण में ज्यादा लोगों, अलग अलग पृष्ठभूमि, उम्र के लोगों को शामिल किया। रूस में सर्वेक्षण कराने वाले एक स्वतंत्र संगठन लेवादा सेंटर ने अक्टूबर में रायशुमारी करायी थी, जिसमें 59 फीसदी लोगों ने कहा था कि वे टीका की पेशकश करने के बावजूद इसे नहीं लेना चाहेंगे। कुछ स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों से बातचीत करने पर चलता चला कि सही तरह से परीक्षण नहीं किए जाने के कारण वे टीका नहीं लेना चाहते हैं।

गूगल पर दर्ज हुआ मुकदमा, ऑनलाइन विज्ञापन को लेकर लगा ये आरोप

ह्यूस्टन (अमेरिका)। (एजेंसी)। टेक्सास के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन ने गूगल के खिलाफ एक याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि ऑनलाइन विज्ञापन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा खत्म करने के लिए कंपनी 'अवैध' तरीका अपना रही है। पैक्सटन ने बुधवार को ट्वीट किया कि डिजिटल विज्ञापनों के लुभावने बाजार में प्रतिस्पर्धा खत्म करने को लेकर अनुचित व्यवहार अपनाए जाने के खिलाफ उन्होंने मामला दर्ज कराया है। गूगल को विज्ञापनों के जरिए सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इस मामले पर गूगल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।
गूगल के खिलाफ दायर यह दूसरी याचिका है। इससे पहले अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने भी अक्टूबर में कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पिछले दिनों फेसबुक के खिलाफ भी याचिका दायर की गयी थी। याचिका में आरोप लगाया है कि गूगल बाजार में अपनी उपस्थिति का फायदा उठाते हुए विज्ञापनों को दिए जाने वाले स्थान के बारे में मनमानी कर रहा है और उनकी कीमतों पर भी वह एकतरफा तरीके से कदम उठा रहा है। पैक्सटन ने

एक वीडियो में कहा कि कुछ और राज्यों द्वारा गूगल के खिलाफ याचिका दायर की जाएगी।
हालांकि उन्होंने मामले में शामिल अन्य राज्यों के नामों का खुलासा नहीं किया। पैक्सटन प्रतिस्पर्धा खत्म करने के लिए अनुचित व्यवहार अपनाने को लेकर प्रौद्योगिकी कंपनियों की आलोचना करते रहे हैं और टेक्सास भी हाल में ऐसे कुछ राज्यों में शामिल हो गया जिसने फेसबुक के खिलाफ याचिका दायर की। पैक्सटन ने कहा, ''कंपनी बाजार में अपने दबदबे का फायदा उठाकर प्रतिस्पर्धा खत्म करने और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। गूगल ने भी प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी है और ऑनलाइन विज्ञापन के बाजार पर कब्जा जमा लिया है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए पीएम मोदी की तारीफ की

ढाका। (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत में कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' जैसा कदम उठाने के लिए बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न संकट से निपटने के लिए मई में 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि आर्थिक पैकेज भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इससे मजदूरों, किसानों, ईमानदार कारदाताओं, एमएसएमई और कुटीर उद्योगों को लाभ होगा। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले और महामारी से प्रभावित देश में कोविड-19 को नियंत्रित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तरीकों की तारीफ करते हुए हसीना ने कहा, ''आत्मनिर्भर अभियान के तहत आपके नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पैकेज के अलावा आर्थिक पैकेज भी दिया गया।'' हसीना ने मोदी के साथ संयुक्त रूप से भारत-बांग्लादेश ऑनलाइन शिखर सम्मेलन के संबोधन में उक्त बातें कहीं। उन्होंने आशा जताई कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लागू की गई नीतियों के माध्यम से भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चीन की बढ़ती आक्रामकता के दौरान भारत के साथ खड़ा रहा अमेरिका: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। (एजेंसी)। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने हांगकांग, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा समेत दुनिया के अन्य हिस्सों में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि बीजिंग के साथ सैन्य गतिरोध के दौरान अमेरिका नयी दिल्ली के साथ खड़ा रहा। पहचान जाहिर नहीं करने का अनुरोध करते हुए अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान अमेरिका-भारत सुरक्षा के सभी पहलुओं और रक्षा सहयोग को मजबूत किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, ''हांगकांग, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा समेत दुनिया के अन्य हिस्सों में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर हम बहुत चिंतित हैं।''
अधिकारी ने कहा, ''पिछले छह-सात महीने से सीमा पर चीन के आक्रामक रवैये के दौरान हम भारत के साथ खड़े रहे। हमने

उन्हें (भारत को) साजो सामान मुहैया कराए हैं। हम भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं, चीन के सामने खड़ा होने के लिए हमने भारत को नैतिक समर्थन दिया है और सुनिश्चित किया है कि हालात का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान हो।'' मई की शुरुआत से ही भारत और चीन की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध चल रहा है। दोनों पक्षों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई चरण की वार्ता हुई है। हालांकि अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। अधिकारी ने कहा कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका, भारत को हथियार की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। अधिकारी ने कहा कि चीन के साथ सीमा पर गतिरोध के दौरान भारत के समर्थन में अमेरिका ने दो एमक्यू-9 (मानवरहित ड्रोन) भी पट्टे पर मुहैया कराए और इसकी बिक्री को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारतीय सेना को ठंड के अनुकूल पोशाक एवं आवश्यक सामग्री मुहैया कराएगा। अधिकारी ने कहा, ''अमेरिका ने देश हित को देखते हुए कुछ अपवादों को छोड़कर जनवरी 2018 में पाकिस्तान को सुरक्षा मद में दी जाने वाली आर्थिक मदद रोक दी। अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में पाकिस्तान से हमें सहयोग भी मिल रहा है। हम लोग पाकिस्तान के साथ काम करते रहेंगे। हमें आशा है कि तालिबान के साथ वार्ता में पाकिस्तान मदद करता रहेगा।

इमरान ने की अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से बात, अफगान शांति प्रक्रिया का अलापा राग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से बात की है और युद्ध प्रभावित देश में अफगानिस्तान के नेतृत्व वाली शांति प्रक्रिया के लिए अपनी हिमायत को दोहराया है। कतर की राजधानी दोहा में स्थित तालिबान्स पॉलिटिकल कमीशन (टीपीसी) का प्रतिनिधिमंडल तीन दिन की यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचा और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से मिला है। इसके बाद बुधवार को खान और गनी की बातचीत हुई है। टीपीसी का प्रधानमंत्री खान से भी मिलने का कार्यक्रम है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि खान ने दोहा में हाल में अंतर अफगान वार्ता की प्रगति का स्वागत किया और रेखांकित किया कि पाकिस्तान का सभी अफगान पक्षकारों से संपर्क, उसकी इस कोशिश का हिस्सा है कि वार्ता की प्रगति समावेशी और व्यापक राजनीतिक समाधान की दिशा में हो। उन्होंने राष्ट्रपति गनी से कहा कि अफगान नीत शांति वार्ता क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम है। खान ने कहा कि टीपीसी के प्रतिनिधिमंडल की पाकिस्तान की यात्रा, वार्ता को आगे बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री ने सभी अफगान पक्षों से देश में हिंसा को कम करने की गुजारिश की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने शांति वार्ता का समर्थन करने और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए बातचीत को जारी रखने पर सहमति जताई। पिछले महीने खान पहली बार अफगानिस्तान की यात्रा पर गए थे जहां उन्होंने गनी एवं अन्य नेताओं से वार्ता की थी।

अमेरिका में तेज बर्फबारी, टीकाकरण अभियान में आ सकती है मुश्किलें

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)। अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी के बीच उत्तरपूर्वी इलाके में बर्फीले तूफान के कारण टीकाकरण अभियान पर असर पड़ने की आशंका है। उत्तरी वर्जीनिया से लेकर न्यूयॉर्क सिटी तक में जमकर बर्फबारी हुई है। कुछ स्थानों पर 0.6 मीटर तक बर्फ गिरी है। बर्फबारी के कारण कोविड-19 के जांच केंद्रों को भी संचालित करने में दिक्कतें आ रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि सर्दी के बावजूद अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सोमवार से शुरू हुए टीकाकरण अभियान पर आगे असर नहीं पड़ेगा।
टीके की 30 लाख खुराक अग्रिम मोर्चे के कर्मियों और नर्सिंग होम से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों को दी जाएंगी। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा मंत्री एलेक्स अजर ने बुधवार को कहा कि सरकार टीके की व्यवस्था पर कड़ी नजर रख रही है और तूफान, बर्फबारी से निपटने के लिए सारे बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने फॉक्स न्यूज चैनल को बताया, ''फेडएक्स कंपनी इस खेप को पहुंचाने के काम में लगी हुई है। उन्हें पता है कि बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम से कैसे निपटा जाता है। हम भी साथ दे रहे हैं और निगरानी कर रहे हैं।'' न्यूजर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने कहा कि वह लोगों को यह सलाह देंगे कि खुद और दूसरों के बचाव के लिए मास्क पहनें। मर्फी ने कहा कि न्यूजर्सी के 35 अस्पतालों में अगले दो या तीन दिनों में कोविड-19 के टीके को पहुंचाया जाएगा।
उनकी सरकार इसके लिए व्यवस्था करने में जुटी है। टीका लाने के काम में लगे ट्रकों को भी राजमार्ग पर आवाजाही के लिए तूफान से जुड़ी बंदिशों से छूट दी गयी है। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू क्यूमो ने कहा कि करीब 90 अस्पतालों में टीके को पहुंचाया दिया गया है। इस बीच, राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा है कि मध्य अटलांटिक से उत्तरपूर्वी क्षेत्र में तेज बर्फबारी हो सकती है। न्यूयॉर्क सिटी इलाके और दक्षिणी न्यू इंग्लैंड में भी बर्फबारी की आशंका जतायी गयी है। वर्जीनिया में बर्फबारी की वजह से बुधवार को हजारों घरों में बिजली गुल हो गयी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धान क्रय केन्द्रों को आकस्मिक निरीक्षण करें-मुख्य सचिव

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देष दिए हैं कि जिन क्रय केन्द्रों में किसान धान लेकर आ रहे हैं, उनको चालू रखा जाये तथा जिन केन्द्रों में किसान नहीं आ रहे हैं, उन्हें जिलाधिकारी की संस्तुति पर बन्द करने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धान क्रय केन्द्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिये तथा सही तौल निर्धारित मूल्य पर क्रय और समय से भुगतान सुनिश्चित कराया जाये। उन्होंने कहा कि धान क्रय केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया जाये तथा यदि कहीं पर कोई अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने निदेशक मण्डी परिषद को जनपद मिर्जापुर, चन्दौली एवं बलिया में अतिरिक्त क्रय केन्द्र खोलने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में धान खरीद की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में खाद्य, पीसीएफ, यूपीएग्रो, यू.पी.एस.एस., यू.पी.पी.सी.यू., एसएफसी, कर्मचारी कल्याण निगम, एनसीसीएफ, नेफेड, मण्डी परिषद, एफसीआई आदि विभागों के अधिकारियों शमिल हुए। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कुल ४,३५६ धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं तथा १६ दिसम्बर, तक ३७५.६५ लाख कुन्तल धान की खरीद की गई है, जो कि निर्धारित लक्ष्य ५५० लाख कुन्तल के सापेक्ष करीब ६८ प्रतिशत है। मूल्य समर्थन योजना से ६,९५,८१९ किसानों को लाभांवित किया गया है। गत वर्ष इसी अवधि में ३,१५,८६६ किसानों से धान खरीद की गई थी।

अमान्य डिग्री के आधार पर नौकरी करने वाले ११ शिक्षक बर्खास्त

बुलंदशहर (एजेंसी)। जिले में जम्मू-कश्मीर से बीएड और बीटीसी कर बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय स्कूलों में नौकरी कर रहे ११ शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों पर आरोप है कि उनकी डिग्री नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर्स एजुकेशन से मान्यता प्राप्त नहीं है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने गुरुवार को यहां बताया कि जम्मू कश्मीर से बीएड और बीटीसी करने वाले ११ शिक्षकों की डिग्री संदिग्ध पाई गई है इन शिक्षकों ने जम्मू कश्मीर के जिन कालेजों से डिग्री प्राप्त की वह एनसीटीई से मान्यता प्राप्त नहीं है। शासन के आदेश पर इन सभी शिक्षकों को बर्खास्त कर इसके रिपोर्ट भी शासन और विभाग को भेज दी गई है।

उन्होंने बताया कि शासन के आदेश पर गत वर्षों में जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती की गई थी इनमें विभिन्न कालेजों और विश्वविद्यालयों से भी बीएड और बीटीसी उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को भर्ती किया गया था।

इनमें कुछ जम्मू और कश्मीर से बीएड और बीटीसी करने वाले शिक्षकों को भी भर्ती किया गया था। भर्ती के बाद प्रमाण-पत्रों की जांच में इन शिक्षकों ने जिन कालेजों से यह डिग्री ली है वह संबंधित कॉलेज एनसीटीई से मान्यता प्राप्त नहीं है। अभिलेखों की जांच के बाद गत दिनों इसका खुलासा हुआ था। सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में जम्मू कश्मीर से बीएड और बीटीसी किए गए शिक्षकों को चिन्हित किया गया था शासन से आदेश आने के बाद बीएसए ने ११ शिक्षकों के वेतन पर गत अक्टूबर में रोक लगा दी थी। इसके अतिरिक्तइन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए थे। जांच पूरी हाने के बाद सरकार के आदेश पर बीएसए ने इन संदिग्ध ११ शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया है।

साथ ही बर्खास्तगी के रिपोर्ट शासन और विभाग को भी भेज दी है एक शिक्षक ने पहले ही नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

डीएम ने बांटे मजलूमों को कंबल

सासनी (एजेंसी)। धीरे-धीरे ठंड का प्रकोप बढता जा रहा है। वैसे -वैसे अफसरों का भी ध्यान मजलूम और जरूरतमंदों की ओर बढता जा रहा है।

डीएम पीके लक्षकार, अपर जिलाधिकारी जेपी सिंह, ज्वांइट मजिस्ट्रेट प्रेम प्रकाश मीणा तथा सासनी एसडीएम राजकुमार यादव ने संयुक्तरूप से जरूरतमंदों को ठंड से बचने के लिए कंबल बांटे।

गुरूवार को डीएम ने कंबल वितरण के दौरान कहा कि सरकार द्वारा मिलने वाली सभी योजनाओं की जानकारी लाभार्थी तक पहुंचाना अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है, जिसका वहन करते हुए लाभार्थियों को कंबल बांटे गये। इसके अलावा सरकार से मिलने वाली प्रत्येक योजना का लाभा पात्र लाभार्थी तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वरासत/उत्तराधिकारी दर्ज करने का अभियान पूरा होने के बाद लोगो को उनकी जमीन का हक दिलाने के लिये जमीन की पैमाईस का अभियान शुरू करेगी। इसके तहत यदि वरसात की कार्यवाही छूट जाती है तो ऐसे मामलों में डीम्ड वरासत मनाने की व्यवस्था की गयी है।

जिस स्तर पर भी लापरवाही होगी। सम्बन्धित लेखपाल के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी तथा लेखपाल गांव में जाकर खतौनियों मे दर्ज नामों को पढकर सुनायेगें यदि नामों/वरासत में त्रुटि है तो सम्बन्धित लेखपाल को बताकर नामों में सुधार अवश्य करा ले।

अयोध्या में २६ जनवरी को रखी जा सकती है मस्जिद की नींव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद की समाप्ति पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत अयोध्या में मिली पांच एकड़ जमीन पर २६ जनवरी को नई मस्जिद की नींव रखी जा सकती है। जिले के रौनाही इलाके में मिली पांच एकड़ जमीन पर विशाल मस्जिद बनाने की योजना है। मुस्लिम पक्षकार इस जमीन पर जल्द ही निर्माण शुरूकर सकता है।

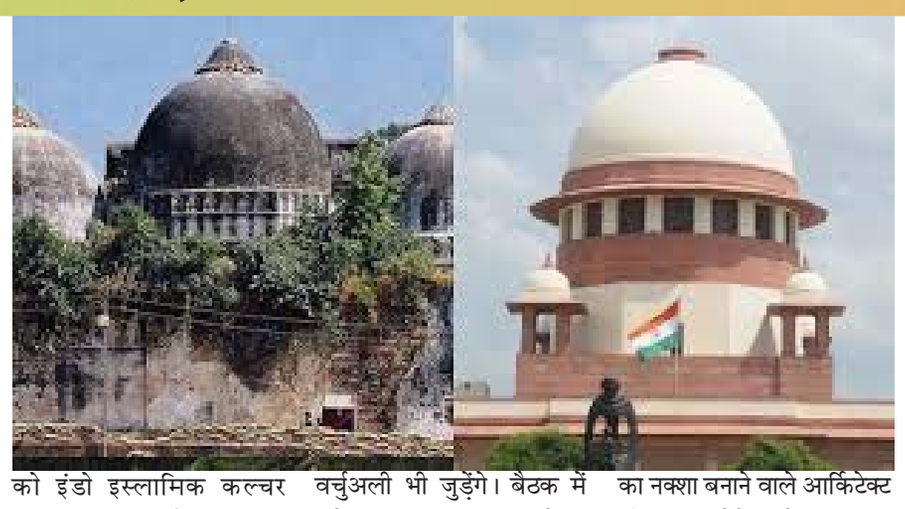

इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन के प्रवक्ता अतहर हुसैन ने बताया कि १९ दिसम्बर को इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन की एक बैठक लखनऊ में बुलाई गई है। कुछ लोग इससे इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन के सदस्यों के अलावा मस्जिद का नक्शा बनाने वाले आर्किटेक्ट भी शामिल होंगे। इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन के प्रवक्ता अतहर हुसैन ने बताया कि नई मस्जिद में बाबर के नाम का कोई उल्लेख नहीं होगा। इसका नाम धन्नीपुर मस्जिद हो सकता है। १९ दिसम्बर को ही मस्जिद का नक्शा फाइनल किया जाएगा और इस बारे में मीडिया के जरिए लोगों को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि २६ जनवरी को मस्जिद की नींव रखी जा सकती है। विदित हो कि सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर २०१९ के अपने आदेश में राम मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या में २.७७ एकड़ की जगह देने का आदेश दिया था, साथ ही अदालत ने यूपी सरकार को मस्जिद के निर्माण के लिए वैकल्पिक स्थल पर पांच एकड़ जमीन देने का भी आदेश दिया था। इसी आदेश के अनुपालन में यूपी सरकार ने यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को यह जमीन दी है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

मेरठ में डॉक्टर की लापरवाही से नवजात शिशु की गई जान

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में डॉक्टर की बड़ी लापरवाही के चलते एक नवजात शिशु की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया है। परिजनों ने कहा कि देर रात बच्चे को जब प्रॉब्लम हुई तो उन्होंने नर्स से डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा तो नर्स ने डॉक्टर से बात करके बोल दिया कि डॉक्टर पेशेंट को सुबह देखेंगे, जिससे बच्चे को उपचार नहीं मिल पाया और उसकी देर रात मौत हो गई। ये मामला थाना परतापुर क्षेत्र में दिल्ली रोड के पंचवटी रोड पर मेटरनिटी हॉस्पिटल का है। बताया जा रहा है कि बच्चे की मौत होने की खबर जैसे ही परिजनों को पता लगा तो परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर जा चढ़ा और हॉस्पिटल के सामने धरना प्रदर्शन शुरूकर दिया। परिजनों ने ११२ नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी और हॉस्पिटल के डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बच्चे को बचाने के चक्कर में अपंग हुई दुल्हन, दूल्हे ने दिया सहारा

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। प्रतापगढ़ में शादी के आठ घंटे पहले एक युवती अपंग हो गई, लेकिन उसके दूल्हे ने अपनी इमानदारी दिखाते हुए उसकी स्ट्रेचर पर ही मांग भर दी। दरअसल, दोनों ही घरों में शहनाइयां बज रही थीं और परिवार के सदस्य और दूसरे मेहमान तैयार हो रहे थे। इसी दौरान एक छोटे बच्चे को बचाने के चक्कर में दूल्हन आरती का पैर फिसल गया और वो छत से नीचे गिर गई। हादसे में उसकी रीढ़ की हड्डी पूरी तरह टूट गई। कमर और पैर समेत शरीर के दूसरे हिस्सों में भी चोट आई। पड़ोस के अस्पतालों ने इलाज से हाथ खड़े कर दिए तो घर के लोग उसे प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में ले आए। इस बारे में दूल्हा अवधेश ने कहा कि वो इस हालत में भी न सिर्फ आरती को पत्नी के तौर पर अपनाएगा, बल्कि शादी भी उसी दिन तय वक्तपर ही होगी। अवधेश ने कहा भले उसे अस्पताल के बेड पर जाकर ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम के सहारे इलाज करा रही आरती की मांग भरनी पड़े, लेकिन शादी नहीं टलेगी, वो पत्नी की सेवा करते हुए उसका सहारा और साथी बनकर उसके दर्द को बांटना चाहता है। बता दें कि अवधेश की जिद पर डाक्टरों की टीम से परमीशन लेकर आरती को दो घंटे बाद एम्बुलेंस से वापस घर लाया गया और उसे स्ट्रेचर पर लिटाकर शादी की रस्में अदा की गईं। ऑक्सीजन और ड्रिप लगी होने की सूरत में ही उसकी मांग भरी गई। इसके बाद आम दुल्हनों की तरह आरती की भी विदाई हुई। इतना ही नहीं ऑपरेशन के फार्म पर खुद अवधेश ने पति के तौर पर दस्तखत किए।

नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट एक ग्लोबल ब्राण्ड बनेगा-योगी

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट एक ग्लोबल ब्राण्ड के तौर पर उभरेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य में निवेश का एक नया माहौल तैयार किया है, जिसके कारण नोएडा क्षेत्र में फिल्म सिटी, फिनटेक सिटी सहित अनेक औद्योगिक इकाइयां आ रही हैं। उन्होंने कहा कि नोएडा विश्व स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। आने वाले समय में नोएडा एक ब्राण्ड के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को यहांयमुना इण्टरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर यमुना इण्टरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतीकरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के 'लोगो' को सहमति दे दी है।

यह 'लोगो' उत्तर प्रदेश के राज्य पक्षी सारस से प्रेरित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा में एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट की स्थापना में ज्यूरिख एयरपोर्ट इण्टरनेशनल एजी ने जो रुचि दिखायी है, वह अत्यन्त सराहनीय है।

विदित हो कि नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, जेवर की स्थापना हेतु आवश्यक १३३४ हे. भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, जेवर के लिए ग्लोबल ई-टेण्डर के माध्यम से सबसे अधिक प्रति पैसेन्जर दिए जाने हेतु प्रीमियम की बोली ४००.९७ रुपए लगाने वाली कम्पनी 'ज्यूरिख एयरपोर्ट इण्टरनेशनल एजी' को विकासकर्ता के रूप में चयनित किया गया है।

हाई स्पीड रेल भारत सरकार की परियोजना है, जो दिल्ली को वाराणसी से जोड़ने के लिए प्रस्तावित है।

छात्रा ने शांदी का झांसा देकर रेप करने का लगाया आरोप तो युवक ने किया एसिड अटैक

बदायूं (एजेंसी)। बदायूं जिले के मुजरिया क्षेत्र में बीए की एक छात्रा पर एसिड अटैक करने मामला सामने आया है। इस मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरु कर दी। वहीं, आनन- फानन में इलाज के लिए छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल आरोपी युवक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस ने बताया कि मुजरिया क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली बीए की एक छात्रा ने गांव के एक युवक पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। छात्रा ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की तो आरोपी युवक बौखला उठा और छात्रा पर ज्वलनशील केमिकल से हमला कर दिया, जिससे छात्रा बुरी तरह झुलस गई। इसके बाद उसे गंभीर हालत में पुलिस ने १०८ एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ति छात्रा ने कहा ?कि वह बाजार से अपने घर लौट रही थी कि गांव के ही महेश पाल उर्फ बंटू ने पीछे से ज्वलनशील केमिकल से हमला कर दिया जिसमें वह झुलस गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने कहा कि छात्रा ने गांव के ही एक युवक पर शादी का वादा कर यौन उत्पीड़न की शिकायत की है जिस पर मुजरिया थाने में आईपीसी की धारा ३७६ के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। इस घटना के समय युवक की लोकेशन जिले से बाहर की बताई जा रही है। उनका कहना है कि आरोपी युवक की जल्द ही गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के हक पर डकैती डालने वाले कर रहे कृषि कानूनों का विरोध

बरेली(एजेंसी) कृषि कानूनों पर बीजेपी शासित सरकारें किसानों को समझाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ गुरुवार को बरेली पहुंचे और १११ विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जो किसानों के हक पर डकैती डालते थे। उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है कि किसानों को उनका हक मिल रहा है। योगी ने कहा कि हम सत्य के मार्ग पर चलने वाले हैं। जिन्हें किसानों का हित नहीं पसंद है, वही नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि खेत से लेकर खलिहाल तक, बीज से लेकर बाजार तक चेन विकिसत करेंगे जो किसानों की आय २०२२ तक दोगुनी करेगी।

इसी पक्रिया के तरह पीएम ने कानून बनाया है। यूपी सीएम ने कहा कि किसानों के लिए १०० रुपये दिया जाता था, ९० रुपये चट कर जाते थे। इसे रोका जा रहा है तो उन्हें परेशानी हो रही है। बिचौलिये और दलालों को बाहर किया जा रहा है। किसानों के सीधा लाभ दिया जा रहा है। योगी ने कहा कि एक जगह धरना चल रहा है। मांग हो रही थी कि एमएसपी दी जाए। तीन कानून इससे संबंधित किए गए जिसमें एमएसपी बढ़ाने का काम किया। उन्हें (विपक्ष) बर्दाश्त नहीं है कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर क्यों बन रहा है? विपक्ष लोगों को आपस में लड़ाते थे, भटकाते थे। हर स्तर पर प्रयास करते थे कि किसी भी व्यक्तिको इस मुद्दे को उठाने न दिया जाए। विपक्ष अयोध्या जाने से डरता था और पीएम ने खुद जाकर मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास किया। योगी ने कहा कि विपक्ष और कुछ चुनिंदा लोग जिन्हें किसानों की खुशहाली अच्छी नहीं लगती है वे विरोध कर रहे हैं। ये वही हें जिन्होंने कभी भी किसानों की उपज को नहीं खरीदा। कोई मुद्दा नहीं मिला तो एक झूठ को बार-बार बोलकर अपनी बात सिद्ध करने में लगे हैं।

सीएम योगी बोले- ये वही हैं जिन्होंने कभी किसानों की उपज नहीं खरीदी

सार-समाचार

आपसी विवाद के चलते एक महिला ने तीन पर कराया गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज

ललितपुर(एजेंसी) गांव में किसी बात को लेकर दो महिलाओं के बीच आपसी विवाद उत्पन्न हो गया । जिसके चलते एक महिला और उसके दो अन्य परिजनों ने मिलकर एक राय होकर दूसरी महिला के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर दी तथा जान से मार देने की धमकी भी दी । घटना के संबंध में पीड़ित महिला ने पुलिस को लिखित रूप से शिकायती पत्र देकर सभी आरोपियों पर मामला दर्ज कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मिनोरा निवासी श्रीमती सुखबती पत्नी भागीरथ कुशवाहा ने थाना जखौरा पुलिस को लिखित रूप से शिकायतें पत्र देकर अवगत कराया कि आपसी विवाद के चलते श्रीमती अंगूरी पत्नी भागीरथ के साथ दो अन्य लोगों ने मिलकर एक राय होकर उसके साथ जमकर गाली-गलौज की और जब उसने उन लोगों की इस गाली गलौज का विरोध किया तो सभी ने एक राय होकर उसके साथ जमकर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी भी दी। थाना जखौरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ ३२३ ५०४ ५०६ धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

प्रेमी के संग घर से भागने के लिए बस स्टॉप पर पहुंची प्रेमिका, दो बच्चों को देख भागा प्रेमी

कन्नौज (एजेंसी)। यूपी में कन्नौज में एक प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ घर से भागने के लिए पहुंच गई और अपने दो बच्चों को भी साथ ले गई। प्रेमिका को देख प्रेमी पहले खुश हो गया, लेकिन जब उसके बच्चों को देख प्रेमी मौके से बहाना बनाकर भाग गया। काफी देर तक जब वह लौटकर नहीं आया तो महिला रोने लगी। यह सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को बच्चों समेत उसके घर पर पहुंचाया। बताया गया कि इंदरगढ़ थाना क्षेत्र में रहने वाली एक शादीशुदा महिला का कुछ दिन पहले तिर्वा कस्बा निवासी एक युवक से प्रेम संबंध हो गए। थोड़ी देर बाद जब महिला ने प्रेमी को अपने दोनों बच्चों से रूबरू करवाया तो प्रेमी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। देर शाम तक जब वह बस स्टॉप पर वापस नहीं लौटा तो महिला रोने लगी। आसपास के यात्रियों ने पुलिस को इस बात की सूचना दे दी। सूचना पर पहुंचे सरायमीरा चौकी प्रभारी कमल भाटी ने पूछताछ की। महिला ने बताया कि प्रेमी उसे अकेले साथ ले जाने की बात कह रहा था। बच्चों को साथ ले जाने की जिद पर वह उसे छोड़कर चला गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमीनी विवाद में वकील की हत्या

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। जिले में एक वकील की जमीनी विवाद के चलते बृहस्पतिवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बीटा-दो थाना क्षेत्र के सेक्टर ३६ में रहने वाले वकील फतेह मोहम्मद खान (३६) की बृहस्पतिवार सुबह गोली मारकर कथित रूप से हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि खान अपने घर के बाहर टहल रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए बदमाशों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि यह हत्या जमीनी रंजिश को लेकर की गई है। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरूकर दी है।

आँखे फाउंडेशन की पहल गरीबो को मिलेगा गर्म कपड़े

बाराबंकी (एजेंसी)। अचानक बढ़ी ठंड व गलन के साथ जाड़े में गरीबो के लिये आँखे फाउंडेशन के कार्यकर्ता प्रदीप सारंग व हरिप्रसाद वर्मा ने जरूरत मन्दों के लिए पुराने गर्म कपड़ों का संग्रह,-वितरण अभियान शुरूकर दिया है और लोगों से अपील कर रहे हैं कि पुराने कपड़े संग्रह सेन्टर पर पहुँचा कर अभियान में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें । आंखें फाउंडेशन ने लखपेड़ाबाग लॉन में संग्रह सेन्टर खोला है जहां पर जरूरत मन्दों के लिए लोग गर्म पुराने कपड़े जमा कर रहे है। गुरुवार को पैसार निवासी इन्द्रराज वर्मा और लखपेड़ाबाग निवासी अशोक सोनी पूर्व बीडीओ सहित एक दर्जन लोगों द्वारा पुराने गर्म कपड़े जमा कराये गये जो जल्द ही जरूरत मन्दों में वितरित किये जायेंगे। इस मौके पर मो. सबाह, हरिप्रसाद वर्मा, धर्मेन्द्र पटेल, वृजेश सोनी, राम विलास अटवा, महेश प्रसाद, संतोष कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इसरो की एक और उपलब्धि, संचार उपग्रह सीएमएस-01 कक्षा में हुआ स्थापित

श्रीहरिकोटा। इसरो के भरोसेमंद रॉकेट पीएसएलवी-सी50 ने बृहस्पतिवार को भारत के नवीनतम संचार उपग्रह सीएमएस-01 को कक्षा में स्थापित कर दिया। उपग्रह के जरिए अंडमान निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप समेत भारत के विभिन्न हिस्सों में फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम के विस्तारित सी बैंड की सेवाएं मिलेंगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि उपग्रह का जीवन काल सात साल का होगा।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के अतिरिक्त निजी सचिव ईडी के समक्ष हुए पेश

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के अतिरिक्त निजी सचिव सी एम रवींद्रन बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी सोना तस्करी के एक मामले में धन के प्रवाह से संबंधित जांच कर रही है। जांच एजेंसी ने रवींद्रन को फिर से समन भेजा था और बृहस्पतिवार को पेश होने के लिए कहा था, जिसके बाद वह सुबह ईडी कार्यालय पहुंचे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी को इससे पहले तीन बार समन भेजा गया था लेकिन वह खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर पेश नहीं हुए थे। संबंधित मामले में केरल उच्च न्यायालय ने रवींद्रन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अदालत से उचित समय से पहले ईडी को उन्हें हिरासत में लेने से रोकने का अनुरोध किया था। उच्च न्यायालय ने ईडी की दलील पर गौर करते हुए याचिका खारिज कर दी। ईडी ने दलील दी थी कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह प्रतीत हो कि जांच एजेंसी ने अधिकारी का उत्पीड़न किया और हिरासत से बचने के लिए यह अनुरोध समय से पहले ही किया गया है। मंगलवार को दायर अपनी याचिका में रवींद्रन ने कहा था कि वह बीमार हैं और उससे पूरी तरह नहीं उबरे हैं।

चांदनी चौक में फुटपाथ बनाने की योजना 31 दिसंबर तक हो जाएगी पूरी, आम आदमी पार्टी सरकार ने हाई कोर्ट को दी जानकारी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि लाल किले के सामने स्थित तिराहे से लेकर फतेहपुरी मस्जिद के बीच चांदनी चौक की सड़क का उद्घाटन 31 दिसंबर को फुटपाथ निर्माण के साथ कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को विभिन्न स्थानीय निकायों और दिल्ली सरकार ने सूचित किया कि इस सड़क के अधिकतर हिस्सों में फुटपाथ बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। अदालत को बताया कि मुख्य सड़क से जुड़े कुछ मोड़ पर बचे काम को, सीसीटीवी कैमरे और स्ट्रीट लाइट लगाने, कुछ हिस्से में पटरी के विकास का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। अदालत ने विभिन्न स्थानीय प्राधिकारियों के अपने-अपने प्राधिकार क्षेत्र संबंधी दी गई जानकारी पर संज्ञान लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी 2021के लिए सूचीबद्ध कर दी।

संसद सत्र नहीं बुलाना सरकार का अहंकार और असंवेदनशीलता : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सिख संत राम सिंह की कथित खुदकुशी को लेकर बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कृषि कानूनों पर चर्चा के लिए संसद सत्र नहीं बुलाना सरकार के अहंकार और असंवेदनशीलता को दिखाता है। उल्लेखनीय है कि संसद का शीतकालीन सत्र इस बार कोरोना महामारी के कारण नहीं होगा। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने ट्वीट किया कि कोरोना काल के बीच में संसद चलाकर भाजपा सरकार ने अरबपति मित्रों के लिए बनाए गए कृषि कानूनों को पारित कर दिया लेकिन किसानों की मांग पर, 11 किसानों की शहादत व बाबा राम सिंह की आत्महत्या के बावजूद किसान कानूनों पर चर्चा के लिए संसद नहीं खुल सकती। इतना ज्यादा अहंकार और असंवेदनशीलता।

महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बचने के लिए टाला गया संसद का शीतकालीन सत्र : शिवसेना

मुम्बई। शिवसेना ने केन्द्र सरकार के संसद का शीतकालीन सत्र टालने के फैसले की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार किसान प्रदर्शन, देश की आर्थिक स्थिति और चीन के साथ सीमा पर गतिरोध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' के एक सम्पादकीय में कहा कि सत्र इसलिए रद्द किया गया ताकि विपक्ष को इन मुद्दों पर सवाल करने का मौका ही ना मिले। उसने कहा, ''यह कैसा लोकतंत्र है? देश तभी जिंदा रह सकता है, जब लोकतंत्र में विपक्षी दलों की आवाजें बुलंद हों। संसद की यह लोकतांत्रिक परम्परा देश को प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस परम्परा का पालन करना चाहिए।'' केन्द्र सरकार ने हाल ही में कहा था कि कोविड-19 महामारी के कारण इस साल संसद का शीतकालीन सत्र नहीं होगा और इसके मद्देनजर अगले साल जनवरी में बजट सत्र की बैठक आहूत करना उपयुक्त रहेगा।

भारत और बांग्लादेश ने किये सात समझौते, सीमापार रेल सम्पर्क किया बहाल

नयी दिल्ली/ढाका। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश को 'पड़ोस प्रथम' नीति का प्रमुख स्तम्भ बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश के साथ संबंधों में मजबूती और गहराई लाना उनकी विशेष प्राथमिकता रही है तथा कोविड-19 के कठिन समय में दोनों देशों के बीच अच्छा सहयोग रहा है। मोदी ने बांग्लोदश की समकक्ष शेख हसीना के साथ ऑनलाइन शिखर वार्ता में यह बात कही। दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते सहयोग के अनुरूप भारत और बांग्लादेश ने हाइड्रोकार्बन, कृषि, कपड़ा और सामुदायिक विकास जैसे विविध क्षेत्रों में सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये। इसके साथ ही सीमापार चिलाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल सम्पर्क को बहाल किया गया जो 1965 तक परिचालन में था।

चिलाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल सम्पर्क को बहाल करने से असम और पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश के लिये सम्पर्क को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह कोलकाता से सिलीगुड़ी के बीच 1965 तक मुख्य ब्राडगेज सम्पर्क का एक हिस्सा था। मोदी और हसीना ने संयुक्त रूप से बांग्लादेश के संस्थापक मुजीबुर रहमान और महात्मा गांधी पर एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, '' बांग्लादेश हमारी 'पड़ोस प्रथम' नीति का एक प्रमुख स्तम्भ है। बांग्लादेश के साथ संबंधों में मजबूती और गहराई लाना मेरे लिए पहले दिन से ही विशेष प्राथमिकता रही है।'' उन्होंने कहा कि यह बात सही है कि वैश्विक महामारी के कारण यह वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा है। लेकिन संतोष की बात है कि इस कठिन समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अच्छा सहयोग रहा। मोदी ने कहा कि चाहे वो दवाइयों या चिकित्सा उपकरण या फिर चिकित्सा पेशेवरों का एक साथ काम करने का विषय हो, हमारा सहयोग अच्छा रहा है। टीका के क्षेत्र में भी हमारे बीच अच्छा सहयोग चल रहा है। इस सिलसिले में हम आपकी आवश्यकताओं का भी विशेष ध्यान रखेंगे द्य

वहीं, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा, '' भारत एक सच्चा दोस्त है।'' हसीना ने कहा, '' मैं भारत के कोविड-19 से निपटने के तरीके की सराहना करना चाहती हूं, उम्मीद है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में भारत महत्वपूर्ण योगदान देगा।'' दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '' भूमि सीमा कारोबार में बाधाओं को हमने कम किया। दोनों देशों के बीच सम्पर्क का विस्तार किया गया तथा नए साधनों को जोड़ा गया। यह सब हमारे संबंधों को और मजबूत करने के हमारे इरादों को दर्शाता है।'' मोदी ने कहा, '' यह मेरे लिए गर्व की बात है कि आज आपके साथ बंगबंधु के सम्मान में एक डाक टिकट का विमोचन,

और बापू और बंगबंधु के ऊपर एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन करने का मौका मिल रहा है।

भाजपा का मिशन बंगाल, अमित शाह सहित कई बड़े नेता करेंगे राज्य का दौरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

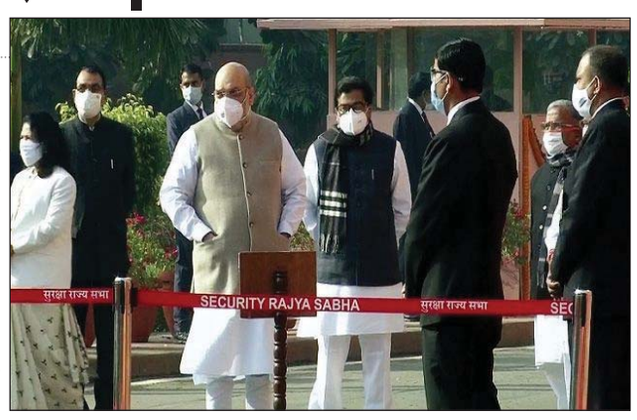

अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपने अभियान में युद्ध स्तर पर तेजी लाते हुए केंद्रीय मंत्रियों, एक उपमुख्यमंत्री और कई केंद्रीय नेताओं को विभिन्न मोर्चों पर तैनात किया है और उन्हें छह से सात संसदीय क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताहांत राज्य का दौरा करेंगे वहीं केंद्रीय मंत्रिपरिषद के उनके सहयोगी गजेन्द्र सिंह शेखावत, संजीव बालियान, प्रह्लाद पटेल, अर्जुन मुंडा और मनसुख भाई मांडविया अगले कुछ दिनों के भीतर प्रदेश का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और मध्य प्रदेश सरकार में वरिष्ठ मंत्री नरोत्तम मिश्रा को भी पश्चिम बंगाल में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

केंद्रीय मंत्री पटेल से जब उन्हें पश्चिम बंगाल में मिली जिम्मेदारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस बात की पुष्टि की और बताया कि उन्हें उत्तर बंगाल में पार्टी की चुनावी तैयारियों का जिम्मा सौंपा गया है। सूत्रों ने बताया कि शाह 19 दिसंबर को इन सभी नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। शाह इस सप्ताहांत दो दिवसीय बंगाल दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह एक राजनीतिक सभा को संबोधित करेंगे और मिदनापुर जिले में एक किसान के घर दोपहर का भोजन करेंगे। ऐसी खबरें और चर्चाएं हैं कि तृणमूल कांग्रेस से नाराज चल रहे पूर्व मंत्री शुभेन्दु अधिकारी, शाह की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

अधिकारी ने ममता मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया था। भाजपा नेतृत्व ने पहले ही अपने केंद्रीय पदाधिकारियों को पश्चिम बंगाल के पांच विभिन्न इलाकों की जिम्मेदारी सौंप रखी है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा अभी तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 18 सीटों पर मिली जीत से उसके हौंसले बुलंद हैं और वह तृणमूल कांग्रेस के मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभर कर सामने आई है। पार्टी के नेता लगातार दावा करते आ रहे हैं कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार को उखाड़ सत्ता से बाहर फेंक देगी।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- 'विस्तारवादी' ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि तीन आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का उसका आदेश सत्ता का घोर दुरुपयोग है और राज्य सरकार ''विस्तारवादी'' तथा ''अलोकतांत्रिक'' ताकतों के आगे नहीं झुकेगी। बनर्जी ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि यह केन्द्र द्वारा राज्य के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करने और पश्चिम बंगाल में सेवारत अधिकारियों का मनोबल घटाने के लिए जानबूझ कर किया गया प्रयास है। उन्होंने कहा, '' यह कदम, खासकर चुनाव से पहले संघीय ढांचे के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। यह पूरी तरह असंवैधानिक और पूरी तरह अस्वीकार्य है।''

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के काफिले पर हुए हमले के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में सेवारत भारतीय पुलिस सेवा के तीन अधिकारियों को कर्तव्य में कथित कोताही बरतने को लेकर केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए समन जारी किया है। बनर्जी ने ट्वीट किया, '' राज्य (पश्चिम बंगाल सरकार) की आपत्ति के बावजूद भारत (केंद्र) सरकार का पश्चिम बंगाल में सेवारत तीन आईपीएस अधिकारियों को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने संबंधी आदेश आईपीएस कैडर कानून 1954 के आपातकालीन प्रावधानों और ताकत का दुरुपयोग है।''

गृह मंत्रालय ने कहा कि आईपीएस कैडर कानून के अनुसार विवाद की स्थिति में राज्य की बजाय केन्द्र के आदेश या फैसले को वरीयता दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम केन्द्र द्वारा राज्य प्रणाली पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण की अनुमति नहीं देंगे। पश्चिम बंगाल विस्तारवादी और अलोकतांत्रिक ताकतों के आगे नहीं झुकेगा।'' बनर्जी का बयान पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए एक पत्र को सार्वजनिक किए जाने के कुछ ही मिनट बाद आया है।

राहुल गांधी पर बरसे प्रकाश जावड़ेकर, बोले- संसदीय प्रणाली, संवैधानिक संस्थाओं का आदर करना सीखें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा ने रक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति की बैठक से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा बहिर्गमन किए जाने पर बृहस्पतिवार को उन्हें आड़े हाथों लिया तथा उन्हें संसदीय प्रणाली और संवैधानिक संस्थाओं का आदर करने की नसीहत दी। पार्टी ने उनके इस रुख की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता यदि ऐसा नहीं करते हैं तो लोकतंत्र में उनकी भूमिका और नगण्य होती जाएगी। अपने आवास पर पत्रकारों से चर्चा में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, ''संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उनकी कितनी आस्था है, वह कल दिखा। रक्षा समिति की बैठक से वह बाहर चले गए। यह संसदीय प्रणाली और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान है। राहुल गांधी को संवैधानिक संस्थाओं का आदर करना सीखना चाहिए नहीं तो लोकतंत्र में उनकी भूमिका और नगण्य होती जाएगी।'' ज्ञात हो कि राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने समिति की बैठक से बुधवार को यह आरोप लगाते हुए बहिर्गमन किया था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे की बजाय सशस्त्र बलों की वर्दी पर चर्चा में समय बर्बाद किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी समिति के समक्ष लद्दाख में चीन की आक्रामकता और सैनिकों को बेहतर उपकरण उपलब्ध कराने से जुड़े मुद्दे उठाना चाहते थे, लेकिन समिति के अध्यक्ष जुएल उरांव (भाजपा) ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। जावड़ेकर ने आरोप लगाया कि समिति की बैठक का एजेंडा तय करने के लिए पहले बैठक होती है लेकिन राहुल गांधी उसमें नदारद थे। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी पहले अनुपस्थित रहेंगे, अपना जो एजेंडा चाहते हैं वो बताएंगे नहीं और फिर अचानक आकर कहेंगे कि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो रही है।'' जावड़ेकर ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समिति की 14 बैठकें हुई है और राहुल गांधी सिर्फ दो में ही उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि 14 में से 12 बैठकों में वे अनुपस्थित रहेंगे और दोष देंगे सारी व्यवस्था को। भाजपा पर आरोप लगाएंगे। जब संप्रग सत्ता में था तब उन्होंने मनमोहन सरकार की कैबिनेट में लिए गए फैसले की प्रति पत्रकार वार्ता में फाड़ी थी और उसे कचरे की टोकरी में डाल दिया था। यह संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उनकी आस्था को दर्शाता है।

सरकार मुद्दों का हल करने के लिए किसानों के साथ बात करने को इच्छुक : हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ बैठ कर बातचीत करने और मुद्दों का समाधान करने के लिए सरकार इच्छुक है। पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों के हजारों की संख्या में किसान सिंघू और टिकरी बॉर्डर सहित दिल्ली से लगी अन्य सीमाओं पर पिछले एक पखवाड़े से भी ज्यादा समय से प्रदर्शन कर रहे हैं। वे तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

एचडीसीसीआई के एक ऑनलाइन कार्यक्रम में पुरी ने कहा, ''मुझे इस बात से दुख हो रहा है कि प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को पता ही नहीं है कि वे किस चीज का विरोध कर रहे हैं... सरकार अभी भी सभी किसानों को संदेश भेज रही है कि कृपया आएं और बात करें।''

उन्होंने कहा कि (किसानों की) तीन मांगें हैं- एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) समाप्त नहीं किया जाए, मंडिया बरकरार रहें और कोई भी गुप्त तरीके से किसानों की जमीन पर कब्जा ना कर सके-- ये सभी स्वीकार कर ली गई हैं। पुरी ने कहा, ''एक बहुत बड़ी गलतफहमी हुई है... हम किसी के भी साथ बैठ कर बात करने और समाधान निकालने को इच्छुक हैं।'' नागर विमानन मंत्री ने विश्वास जताया कि घरेलू उड़ानों का परिचालन दिसंबर के अंत तक या फिर 2021 की पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) तक उड़ानें ''कोविड-19 से पहले की स्थिति में पहुंच जाएगा।''

उन्होंने कहा कि मार्च में लॉकडाउन के साथ ही देश में सभी सामान्य यात्री उड़ानों को बंद कर दिया गया था और वह 25 मई से महज 30,000 यात्री प्रतिदिन की क्षमता से शुरू हुई। उन्होंने कहा, ''कुछ ही दिन पहले एक दिन में 2,53,000 से ज्यादा यात्रियों ने यात्रा की...मुझे विश्वास है कि दिसंबर के अंत तक या फिर 2021 की पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) तक स्थिति कोविड-19 के पहले जैसी हो जाएगी।

भारत में 5 में से सिर्फ एक श्रमिक ही कुशल, 162 देशों में मिला 129वां स्थान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

श्रम बल की बात करें तो भारत में 5 लोगों में से सिर्फ एक ही कुशल है। यह दावा हम नहीं बल्कि ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट 2020 में किया गया है। 21.2व्न के आंकड़ों के साथ भारत 162 देशों में 129वें स्थान पर है। भारत के आस पास वाले देशों में आईवरी कोस्ट, सुडान, लाइबेरिया और कैमरून शामिल है। इन देशों का श्रम बल भारत की तुलना में कम विकसित है। इन देशों के अलावा अफ्रीका महादेश के सहारा वाले क्षेत्र में कुशल कामगारों की कमी है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के ॥ष्ठक्र देशों को सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय जैसे मुख्य आर्थिक कारकों के अलावा मानव विकास मापदंडों की एक विस्तृत श्रृंखला के अनुसार रैंक करता है। श्रम बल की इस रिपोर्ट में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है जिनकी उम्र 15 वर्ष या उससे अधिक है और उनके पास शिक्षा में इंटरमीडिएट या उच्च शिक्षा की डिग्री है। इस सूची में शीर्ष पर स्थित लगभग सभी देश मानव विकास सूचकांक में भी आगे हैं और इनकी अर्थव्यवस्था भी आगे हैं। इस सूची में जापान सबसे ऊपर है जोकि एचडीआई रैंकिंग में भी 19वें स्थान पर है। जापान की 99.99 फ़ीसदी श्रमिक कुशल है। बेलारूस, अमेरिका, लिथुआनिया और रूस के श्रम बल भी 96 फ़ीसदी कुशल है।

इस सूची में जापान, अमेरिका और कनाडा के अलावा पूर्वी यूरोप अपने 90 फ़ीसदी श्रम बल को कुशल रख पाया है। जर्मनी, स्वीटजरलैंड, स्वीडन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देश जो की उन्नत अर्थव्यवस्था में आते हैं, यहां श्रम बल 80 से 90 फ़ीसदी तक कुशल है। नेपाल और श्रीलंका में लगभग 40 फ़ीसदी श्रमिक कुशल है, जबकि म्यांमार में 28.1 फ़ीसदी, पाकिस्तान में 27.8 फ़ीसदी और बांग्लादेश में 25.8 फ़ीसदी कामगार कुशल हैं। भूटान की ही स्थिति भारत से नीचे है। भूटान में 15.5 फ़ीसदी कामगार कुशल है। चीन का डाटा उपलब्ध नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)